हिन्दी साप्ताहिक

भारत निविदा लाईन समाचार

भारत निविदा लाईन समाचार पत्र क्राइम की हर खबर....

■ वर्ष : 19 ■ अंक: 26 ■ नई दिल्ली 24 से 30 अप्रैल 2026 ■ पृष्ठ : 08 ■ मूल्य : 02 रुपए

अपने पिता को याद कर भावुक हुई अंकिता लोखंडे

ऑपरेशन सिंदूर में दिखाई सैन्य ताकत, हमने अपनी शर्तों पर युद्ध को रोका : राजनाथ सिंह

- ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया को साफ संदेश दिया कि किसी भी हालत में आतंकवाद की कोई भी हरकत बर्दाश्त नहीं की जाएगी

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को नई दिल्ली में एक राष्ट्रीय सुरक्षा शिखर सम्मेलन में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया को साफ संदेश दिया कि किसी भी हालत में आतंकवाद की कोई भी हरकत बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर को इस खतरे के खिलाफ सरकार के पक्के इरादे का सबूत बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि आतंकवाद एक गलत सोच से निकलता है, जिसे धार्मिक रंग देकर या हिंसक सोच से जोड़कर सही ठहराने की कोशिश की जाती है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि आतंकवाद एक बिगड़ी हुई और गलत सोच से पैदा होता है। यह इंसानियत पर एक काला धब्बा है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई सिर्फ नेशनल सिक्योरिटी का मामला नहीं, बल्कि यह असल में इंसानियत के खास मूल्यों की रक्षा करने की लड़ाई है। यह एक ऐसी वहशी सोच के खिलाफ लड़ाई है, जो हर इंसानी मूल्य के सीधे खिलाफ है। हमने देश और विदेश दोनों जगह इस भारतीय नजरिए को साफ तौर पर बताया है। आतंकवाद सिर्फ एक देश विरोधी काम नहीं है। इसके कई पहलू हैं- ऑपरेशनल, वैचारिक और राजनीतिक। इससे तभी निपटा जा सकता है, जब हम इन सभी पहलुओं से निपटें।

रक्षा मंत्री ने कहा कि जब तक आतंकवाद रहेगा, यह सबकी शांति, विकास और खुशहाली को चुनौती देता रहेगा। आतंकवाद को धार्मिक रंग देकर या नक्सलवाद जैसी हिंसक सोच से जोड़कर उसे सही ठहराने की कोशिश की जाती है। यह बहुत खतरनाक है और एक तरह से आतंकवादियों को कवर फायर देता है, ताकि वे धीरे-धीरे अपने मकसद की ओर बढ़ सकें। आतंकवाद को पाकिस्तान के लगातार सहयोग पर राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत और पाकिस्तान दोनों एक ही समय पर आजाद हुए थे, लेकिन आज भारत दुनिया भर में इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के लिए जाना जाता है, जबकि पाकिस्तान को इंटरनेशनल टेररिज्म का केंद्र माना जाता है।

राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर को भारतीय सशस्त्र बलों के मिल-जुलकर काम करने और तालमेल का एक शानदार उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि तीनों सेनाओं ने मिलकर और एक योजना के तहत काम किया, जिससे यह पक्का हो गया कि भारत की सैन्य ताकत अब अकेले काम नहीं करती, बल्कि यह एक मिली-जुली, इंटीग्रेटेड और ग्लोबल ताकत के तौर पर उभरी है। राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत किसी के झांसे या न्यूक्लियर हमले की धमकी में नहीं फंसा और तय लक्ष्यों को पूरा किया।

यह एक ऐसा भारत है, जो आतंकवाद और उसे प्रायोजित करने वालों के बीच कोई फर्क नहीं करता।

भारत लंबी लड़ाई के लिए पूरी तरह तैयार था : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के एक साल पूरा होने पर पाकिस्तान को कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए स्पष्ट किया कि भारत अब आतंकी गतिविधियों को कतई सहन नहीं करेगा। उन्होंने खुलासा किया कि इस अभियान के दौरान भारत को परमाणु हमले तक की धमकियां मिली थीं, लेकिन सरकार ने उन्हें नजरअंदाज कर राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखा। राजनाथ सिंह ने जोर देकर कहा कि सीजफायर या अभियान को रोकना भारत की कोई कमजोरी नहीं, बल्कि एक सोची-समझी रणनीतिक पसंद थी। भारत उस समय भी लंबी लड़ाई लड़ने के लिए पूरी तरह तैयार था और आज हमारी सैन्य क्षमता पहले से कहीं अधिक दुरुस्त और घातक हो चुकी है। पाकिस्तान पर सीधा निशाना साधते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि आज दुनिया भारत को सूचना प्रौद्योगिकी (IT) के वैश्विक हब के रूप में जानती है, जबकि पाकिस्तान 'इंटरनेशनल टेररिज्म' (दूसरे IT) का केंद्र बन चुका है। उन्होंने बताया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय सेना ने केवल उन्हीं ठिकानों को निशाना बनाया जिन्होंने देश पर हमला किया था, जबकि पाकिस्तान ने कायरतापूर्ण तरीके से नागरिक इलाकों को निशाना बनाने की कोशिश की। सिंह ने साफ किया कि भारत अब आतंकवाद और उसे पनाह देने वाले देशों के बीच कोई फर्क नहीं करेगा, और जरूरत पड़ने पर सीमा पार जाकर दुश्मन को धूल चटाने का साहस रखता है। रक्षा मंत्री ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के एक और सकारात्मक पहलू पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस अभियान के बाद वैश्विक स्तर पर भारतीय स्वदेशी हथियारों की मांग और साख बढ़ी है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का रक्षा निर्यात लगभग 39,000 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 62.66 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्शाता है। यह आंकड़ा न केवल भारत की आत्मनिर्भरता को सिद्ध करता है, बल्कि वैश्विक रक्षा बाजार में एक बड़ी ताकत के रूप में भारत के उदय का प्रमाण भी है। भारत अब अपनी मर्जी और अपनी शर्तों पर वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था में निर्णायक भूमिका निभा रहा है।

इटली के रक्षा मंत्री का भारत दौरा: शहीदों को नमन, रक्षा सहयोग पर राजनाथ संग अहम चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। इटली के रक्षा मंत्री गुइडो क्रोसेट्टो भारत के आधिकारिक दौरे पर नई दिल्ली पहुंचे हैं। यहां अपने दौरे की शुरूआत उन्होंने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक से की। यहां उन्होंने शहीद सैनिकों को पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान इटली के रक्षा मंत्री ने भारतीय सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान को सम्मानपूर्वक नमन किया।

इसके बाद दिल्ली कैंट स्थित मानेकशॉ केंद्र में उनका औपचारिक स्वागत किया गया। यहां रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति में उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। यह सम्मान दोनों देशों के बीच मजबूत होते रक्षा संबंधों को दर्शाता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके इतालवी समकक्ष के बीच गुरुवार को ही नई दिल्ली में अहम द्विपक्षीय वार्ता हो रही है। इस बैठक में दोनों देश रक्षा सहयोग को और मजबूत करने के उपायों पर चर्चा कर रहे हैं। साथ ही, क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया जा रहा है।

यह बैठक वर्ष 2023 में रोम में हुई उच्चस्तरीय वार्ता के बाद दोनों देशों के बीच बढ़ती नजदीकियों का अगला कदम मानी जा रही है। रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक भारत और इटली रक्षा क्षेत्र में औद्योगिक साझेदारी को बढ़ाने पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। भारत और यूरोपीय संघ के बीच बढ़ती रणनीतिक और रक्षा साझेदारी का भी इस संबंध पर सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। दोनों देश आधुनिक रक्षा तकनीक, संयुक्त उत्पादन और अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, यह दौरा केवल औपचारिक यात्रा नहीं है, बल्कि भारत और इटली के बीच रक्षा सहयोग को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकेत है। बदलते वैश्विक परिदृश्य में दोनों देश एक-दूसरे के विश्वसनीय साझेदार के रूप में उभर रहे हैं। दरअसल यह द्विपक्षीय वार्ता ऐसे समय में हो रही है जब वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य लगातार बदल रहा है। बदलते सुरक्षा परिदृश्य के चलते विभिन्न देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी की अहमियत भी बढ़ गई है।

राजनाथ सिंह व इटली के रक्षामंत्री के बीच इस वार्ता को रक्षा सहयोग और मजबूत करने की दिशा में एक अहम पहल माना जा रहा है। इस मुलाकात के दौरान दोनों नेता भारत और इटली के बीच रक्षा सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा करेंगे। इसमें सैन्य सहयोग, रक्षा उद्योग में साझेदारी, नई तकनीकों के आदान-प्रदान और रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में संभावनाओं पर विशेष ध्यान रहेगा। साथ ही क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर भी विचार-विमर्श होगा, ताकि दोनों देश एक साझा समझ विकसित कर सकें।

गौरतलब है कि भारत और इटली के बीच रक्षा संबंधों में पिछले कुछ वर्षों में काफी प्रगति हुई है। अक्टूबर 2023 में राजनाथ सिंह की इटली यात्रा के बाद इन संबंधों को नई गति मिली थी। उस यात्रा के दौरान दोनों देशों ने रक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई थी। अब इटली के रक्षा मंत्री की यह पहली भारत यात्रा इस बात का संकेत है कि दोनों देश इस सहयोग को और आगे ले जाने के लिए गंभीर हैं। जनवरी 2026 में भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुए रक्षा और रणनीतिक साझेदारी समझौते ने भी इस रिश्ते को मजबूती दी है।

एक नजर

अल्पसंख्यकों का समावेशी विकास सर्वोच्च प्राथमिकता : डॉ. श्रीवत्स

नई दिल्ली, एजेंसी। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने समावेशी विकास, शिक्षा, कौशल विकास, अवसंरचना और कल्याणकारी पहलों के माध्यम से अल्पसंख्यक समुदायों को सशक्त बनाने के लिए केंद्र और राज्य के बीच समन्वय के महत्व पर जोर दिया। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने आज बताया कि मंत्रालय के सचिव डॉ. श्रीवत्स श्रीकृष्णा ने कर्नाटक सरकार के साथ मंत्रालय की प्रमुख योजनाओं, पीएमजेवीके, पीएम विकास, छात्रवृत्तियां, उम्मीद और सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण तथा अवसंरचना विकास के उद्देश्य से शुरू की गई अन्य पहलों के कार्यान्वयन और प्रगति पर समीक्षा बैठक की। इस दौरान परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने और जमीनी स्तर पर पारदर्शी तरीके से योजनाओं के शीघ्र लाभ और पहुंच को सुनिश्चित करने पर भी चर्चा की। डॉ. श्रीवत्स श्रीकृष्णा ने सभी संबंधित अधिकारियों को चल रही परियोजनाओं में तेजी लाने का निर्देश दिया और राज्य सरकार को मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के तहत नई परियोजनाओं के लिए नवोन्मेषी और प्रभावशाली प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने समावेशी विकास, शिक्षा, कौशल विकास, अवसंरचना और कल्याणकारी पहलों के माध्यम से अल्पसंख्यक समुदायों को सशक्त बनाने के लिए केंद्र और राज्य के बीच समन्वय के महत्व पर जोर दिया। अल्पसंख्यक मंत्रालय के संयुक्त सचिव राम सिंह और श्री श्यामा प्रसाद रॉय, निदेशक नेहा गिरी और अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय तथा कर्नाटक सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी इस बैठक में उपस्थित थे।

सुप्रीम कोर्ट ने पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत पर सुरक्षित रखा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। पवन खेड़ा के खिलाफ असम पुलिस ने मानहानि और जालसाजी का केस दर्ज किया था। यह केस तब दर्ज किया गया था, जब कांग्रेस नेता ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी पर आरोप लगाए थे। जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस एएस चांदुरकर की बेंच ने गुरुवार को मामले में सुनवाई करते हुए दोनों पक्षों की दलील सुनी। इसके बाद बेंच ने फैसले को सुरक्षित रखा। आगे कोर्ट तय करेगा कि पवन खेड़ा को अग्रिम जमानत दी जाए या नहीं। गुरुवार को सुनवाई के दौरान पवन खेड़ा की ओर से पेश अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि उन्हें गिरफ्तार करने की कोई जरूरत नहीं है। सिंघवी ने कहा, पवन खेड़ा पर जो आरोप है, वह शिकायकर्ता की मानहानि करने का है। आरोप सही हैं या नहीं, यह ट्रायल में तय होगा, लेकिन इस केस में गिरफ्तारी की जरूरत नहीं है। मानहानि के आरोप में पूछताछ की जा सकती है। गिरफ्तारी की जरूरत

लद्दाख का विकास स्थानीय हितों के अनुरूप हो : राहुल

- लद्दाख के युवाओं ने उन्हें बताया है कि किस तरह से उनके क्षेत्र को एक तरह के 'पुलिस राज' में बदल दिया गया : राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि लद्दाख में लोकतांत्रिक अधिकारों को दबाने का प्रयास हो रहा है और वहां के लोगों की आवाज को दबाया जा रहा है। गांधी ने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि लद्दाख के युवाओं ने उन्हें बताया है कि किस तरह से उनके क्षेत्र को एक तरह के 'पुलिस राज' में बदल दिया गया है। वहां लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन हो रहा है और स्थानीय लोगों की आवाज को दबाया जा रहा है। उन्होंने यह भी लिखा कि लद्दाख की जमीन और नाजुक पर्यावरण को कथित रूप से बड़े उद्योगपतियों के हितों के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे स्थानीय लोगों में चिंता बढ़ी है।

गांधी ने स्पष्ट किया कि लद्दाख के लोग विकास के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि वे ऐसा विकास चाहते हैं जो स्थानीय समुदाय को रोजगार और आर्थिक लाभ पहुंचाए। उन्होंने उम्मीद जताई कि गृह मंत्री अमित शाह अपने प्रस्तावित दौरे में क्षेत्र की वास्तविक स्थिति को समझेंगे और वहां के लोगों की चिंताओं पर ध्यान देंगे। गौरतलब है कि लद्दाख में हाल के वर्षों में राजनीतिक अधिकारों, जमीन और विकास मॉडल को लेकर असंतोष बढ़ा है। जम्मू कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 के बाद केंद्र शासित प्रदेश बनने से वहां विधानसभा नहीं है, जिससे स्थानीय लोग अपने अधिकार सीमित होने की बात कहते हैं। इसके साथ ही वहां के लोग बाहरी निवेश और बड़े प्रोजेक्ट्स को लेकर जमीन, रोजगार और नाजुक पर्यावरण पर इसके असर की आशंका भी जता रहे हैं।

दिल्ली-एनसीआर में बदला मौसम का मिजाज

तेज आंधी और बारिश से गिरा तापमान

- मौसम में आए इस बदलाव से लोगों को गर्मी से काफी राहत मिली

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में गुरुवार को दिन भर पड़ रही भीषण गर्मी और तेज धूप के बाद मौसम ने अचानक करवट ले ली। दोपहर बाद तेज हवाओं के साथ धूल भरी आंधी चली, जिसके बाद आसमान में काले बादल छा गए और कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश शुरू हो गई।

मौसम में आए इस बदलाव से लोगों को गर्मी से काफी राहत मिली है। भारतीय मौसम विभाग द्वारा पहले ही 30 अप्रैल के लिए पूर्वानुमान जारी किया गया था। जारी रिपोर्ट के अनुसार, इस दिन अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज होने का अनुमान था। वहीं, आर्द्रता (ह्यूमिडिटी) का स्तर 48 प्रतिशत से 30 प्रतिशत के बीच रहने की संभावना जताई गई थी।

मौसम विभाग ने साफ तौर पर चेतावनी दी थी कि दिन के दौरान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ गरज-चमक देखने को मिल सकती है। मौसम विभाग ने यह भी बताया था कि दोपहर और शाम के समय 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं, जो झोंकों के दौरान 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती हैं। यही कारण रहा कि अचानक आई आंधी ने वातावरण को ठंडा कर दिया और उसके बाद बारिश ने मौसम को सुहावना बना दिया।

आईएमडी के अनुसार, दोपहर में हल्की बारिश और तेज हवाओं के साथ बिजली कड़कने की संभावना जताई गई थी, जबकि शाम के समय भी इसी तरह का मौसम बने रहने की चेतावनी दी गई थी। यह पूर्वानुमान पूरी तरह सटीक साबित हुआ, जब शाम होते-होते एनसीआर के कई हिस्सों में बारिश दर्ज की गई।

वहीं, 1 मई के लिए मौसम विभाग ने अनुमान लगाया है कि अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 24 डिग्री सेल्सियस रहेगा। इस दिन भी आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है, हालांकि किसी प्रकार की चेतावनी जारी नहीं की गई है। पिछले कुछ दिनों से एनसीआर में पड़ रही भीषण गर्मी और हीट वेव के चलते जनजीवन प्रभावित हो रहा था। स्कूलों के समय में बदलाव किया गया था और अस्पतालों में हीट स्ट्रोक व डिहाइड्रेशन के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही थी। ऐसे में मौसम में आया यह बदलाव लोगों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है। मौसम विभाग ने आगामी एक सप्ताह तक इसी तरह का मौसम बने रहने की संभावना जताई है, जिसमें बादलों की आवाजाही, हल्की बारिश और तेज हवाएं शामिल रहेंगी। इससे तापमान में गिरावट दर्ज होने की उम्मीद है और लोगों को झुलसाने वाली गर्मी से कुछ राहत मिलती रहेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने नाबालिग के गर्भपात के आदेश की अवहेलना पर अवमानना की चेतावनी दी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक अवमानना याचिका पर नोटिस जारी किया। इस याचिका में आरोप लगाया गया है कि 15 साल की नाबालिग की प्रेग्नेंसी को मेडिकल तरीके से खत्म करने की अनुमति देने वाले उसके पिछले आदेश का पालन नहीं किया गया है। कोर्ट ने चेतावनी दी है कि अगर उसके निदेर्शों को लागू नहीं किया गया, तो अवमानना के आरोप तय किए जा सकते हैं।

जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने, नाबालिग की मां द्वारा दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव और एम्स, नई दिल्ली के निदेशक को 4 मई को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश होने का निर्देश दिया।

जस्टिस नागरत्ना की अगुवाई वाली बेंच ने टिप्पणी की, ह्लअगर वे सोमवार तक हमारे आदेश का पालन नहीं करते हैं, तो वे अवमानना की कार्यवाही में आगे के निदेर्शों के लिए तैयार रहें। हमें किसी और बात से कोई सरोकार नहीं है, सिवाय इसके कि इस अदालत के आदेश का पालन हो। अगर वे सोमवार तक पालन नहीं करते हैं, तो हम आरोप तय करेंगे। आरोप तय करने से पहले हम उनकी बात सुनेंगे।

अपने 24 अप्रैल के फैसले में, सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाई कोर्ट के 28-सप्ताह की प्रेग्नेंसी को खत्म करने की अनुमति देने से इनकार करने के फैसले को रद्द कर दिया था और कहा था कि नाबालिग लड़की की प्रजनन स्वायत्तता को सबसे ज्यादा महत्वह्न मिलना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, किसी भी अदालत को किसी भी महिला को, और खासकर किसी नाबालिग बच्ची को, उसकी स्पष्ट इच्छा के खिलाफ प्रेग्नेंसी को पूरे समय तक जारी रखने के लिए मजबूर नहीं करना चाहिए। कोर्ट ने यह भी जोड़ा कि ऐसा कोई भी दबाव निर्णय लेने की स्वायत्तता की अवहेलना होगी और इससे ह्यगंभीर मानसिक, भावनात्मक और शारीरिक आघात पहुंचेगा।

अदालत ने आगे फैसला सुनाया कि अनचाही प्रेग्नेंसी के मामलों में, संवैधानिक अदालतों को अजन्मे बच्चे को प्राथमिकता देने के बजाय गर्भवती महिला के कल्याण को तौलना चाहिए, और यह टिप्पणी की कि ह्यजो बात प्रासंगिक है, वह गर्भवती महिला की पसंद है, न कि अजन्मे बच्चे का हित।

बेंच ने दर्ज किया कि लड़की ने, जो खुद नाबालिग है, प्रेग्नेंसी का पता चलने के बाद कथित तौर पर दो बार आत्महत्या करने की कोशिश की थी, और कहा कि प्रेग्नेंसी को जारी रखने के लिए मजबूर करना गरिमा के साथ जीने के उसके अधिकार पर सीधा हमला माना जाएगा। इसके बाद अदालत ने निर्देश दिया कि प्रेग्नेंसी खत्म करने की प्रक्रिया एम्स में जल्द से जल्द और सभी जरूरी मेडिकल सुरक्षा उपायों के साथ पूरी की जाए।

इसके बाद, एम्स ने एक पुनर्विचार याचिका के जरिए इस फैसले को चुनौती दी, जिसे बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने बेहद सख्त शब्दों में खारिज कर दिया।

बेंच ने याचिका खारिज करते हुए कहा, यह अजीब है कि पुनर्विचार याचिकाकर्ता, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करने को तैयार नहीं है, और इसके बजाय, इस अदालत के 24.04.2026 के आदेश को चुनौती दे रहा है, ताकि यहां अपीलकर्ता की नाबालिग बेटी के संवैधानिक अधिकारों को खत्म किया जा सके।

इससे पहले दिन में, भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने भी गर्भपात के आदेश के खिलाफ एम्स की क्यूरेटिव याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। सीजेआई की अगुवाई वाली बेंच ने जोर देकर कहा कि किसी भी व्यक्ति पर अनचाहा गर्भ थोपा नहीं जा सकता और किसी नाबालिग बच्ची को गर्भ धारण करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। बेंच ने केंद्र से यह भी आग्रह किया कि वह मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी कानून पर फिर से विचार करे ताकि गर्भधारण की अवधि से जुड़ी पाबंदियों को हटाया जा सके। बेंच ने टिप्पणी करते हुए कहा, कृपया अपने कानून में संशोधन करेंह्व ताकि जब बलात्कार आदि के कारण गर्भधारण हो, तो समय की कोई सीमा न हो। कानून को लचीला और बदलते समय के साथ तालमेल बिठाने वाला होना चाहिए।

महिला जनसुनवाई से पहले दुबे का पत्र आया सामने, लंबित शिकायतें रखने की मांग

अरसद अली

छत्तीसगढ़ः अरशद लारी भारत न्यूज की रिपोर्ट - लोक जनशक्ति पार्टी के जिलाध्यक्ष राजकुमार दुबे ने कलेक्टर कोरबा को पत्र देते हुये कहा की दिनांक 30.4. 2026 को राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष महोदया के द्वारा छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय महिला आयोग आपके द्वारा महिला जनसुनवाई कार्यक्रम जो सुनिश्चित हुआ है। उक्त कार्यक्रम में थाना चौकी, महिला बाल विकास विभाग एवं अन्य विभागों में महिलाओं से संबंधित शिकायतों के त्वरित समाधान पारदर्शी एवं निष्पक्ष कार्यवाही हेतु सभी प्रकरण एवं शिकायत को जन सुनवाई में प्रस्तुत करने बाबत पत्र दिया है।

लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास)
(छत्तीसगढ़ राज्य)
राजकुमार दूबे
जिलाध्यक्ष – कोरबा
पूर्व सदस्य-सलाहकार समिति छ.ग.
भारतीय खाद्य निगम-भारत सरकार
दिनांक – 29-04-2026

राजकुमार दुबे ने कहा कि कल दिनांक 30.04.2026 को महिलाओं की समस्यायों के तुरंत समाधान हेतु राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष महोदया विजया रहाटकर जी के द्वारा जिला प्रशासन की उपस्थिति में महिलाओं की शिकायतों से संबंधित जनसुनवाई का आयोजन जो सुनिश्चित किया गया है। जो शिकायतें पंचायत स्तर से लेकर पुलिस थाना, महिला थाना अन्य थाना व चौकिया में व सरकारी विभागों में प्राइवेट संस्थानों में महिलाओं से संबंधित हजारों शिकायतें लापरवाही के कारण पेंडिंग पड़ी हुई है।

उक्त शिकायतों को जिला प्रशासन अध्यक्ष महोदया के संज्ञान में लाए, राजकुमार दुबे ने आरोप लगाते हुए कहा कि कई विभागों में तो महिलाओं के खिलाफ प्राप्त शिकायतों पर विभाग लीपा-पोती कर-के खत्म कर देता है। कई थाना चौकियों में महिलाओं के उत्पीड़न एवं अन्य शिकायतें कई महीनो से पेंडिंग पड़ी हुई है, राजकुमार दुबे ने शासन-प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि थाना चौकियों में बैठे हुए निष्क्रिय एवं लापरवाह अधिकारी एवं कर्मचारी आरोपियों को संरक्षण देकर महिलाओं के शिकायतों पर कोई ठोस कदम नहीं उठा रहे हैं। कई माह तक कई विभागों में शिकायतें पेंडिंग पड़ी हुई है।

उन सभी शिकायतों का निराकरण जनसुनवाई के दौरान होनी चाहिए। क्योंकि सरकार महिलाओं की सुरक्षा, शिकायतों के तुरंत निस्तारण,कानून व्यवस्था तथा महिला सशक्तिकरण से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग से लेकर राज्य महिला आयोग एवं उनके सदस्यों को बराबर जमीनी स्तर में जाकर कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं को न्याय दिलाने संबंधी आदेश निर्देश एवं नियमावली तैयार कर रखा है। लेकिन उसके बाद भी कई लापरवाह अधिकारी व कर्मचारी महिलाओं के प्रति हो रहे जघन्य अपराध तक को छुपाने की कोशिश कर रहे हैं और आरोपियों से मिलकर उन्हें संरक्षण प्रदान कर रहे हैं।

लोक जनशक्ति पार्टी के जिला अध्यक्ष राजकुमार दुबे ने कलेक्टर को दिए गए पत्र में निवेदन किया है कि सभी विभागों को निर्देशित करते हुए महिलाओं से संबंधित प्राप्त सभी शिकायतों को महिला आयोग की राष्ट्रीय अध्यक्ष महोदया के द्वारा सुनिश्चित कार्यक्रम में अध्यक्ष महोदया के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु दिशा निर्देश जारी करने कि कृपा करें, ताकि महिलाओं के खिलाफ हुए वारदात एवं महिलाओं के उत्पीड़न संबंधी प्राप्त शिकायतों पर निष्पक्ष एवं पारदर्शी रूप से सुनवाई हो सके, और कार्यवाही भी सुनिश्चित हो सके, दुबे ने कहा कि ग्राम पंचायत स्तर से लेकर नगरी निकाय के वार्ड तक व्यापक पैमाने पर प्रसार प्रचार सुनिश्चित किया जाए, ताकि महिलाओं को यह पता चल सके की उनकी समस्याओं के निदान के लिए भारत सरकार के द्वारा राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष महोदया को उनकी समस्याओं एवं शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए कोरबा जिले में भेजा गया है।

और वह सभी आकर अपनी शिकायतों का निस्तारण पारदर्शी व निष्पक्ष रूप से अपनी समस्याओं को अध्यक्ष महोदया के समक्ष रखकर न्याय पा सकें, दुबे ने कलेक्टर को दिए पत्र में यह भी उल्लेख किया है कि यदि सुदूर अंचलों से महिलाओं को आने में कोई असुविधा हो हो रही हो तो, शासन द्वारा उन्हें वाहन आदि भी मुहैया कराया जाए क्योंकि कोरबा जिला एक आकांक्षी जिला होने के नाते यहां पर गरीब एवं बेसहारा महिलाओं की संख्या काफी है एवं अनुसूचित जनजाति परिवारों की संख्या भी काफी है और उनके पास कोरबा आकर कार्यक्रम में शामिल होने के लिए संभवतःपरिवहन आदि की समुचित व्यवस्था भी नहीं रहती है।

क्योंकि कोरबा जिला का एरिया लगभग 120 किलोमीटर तक फैला हुआ है, दुबई नहीं कलेक्टर से कहा है कि यह सुनिश्चित किया जाए की कोई भी महिला अपनी शिकायतों को महिला आयोग की राष्ट्रीयअध्यक्ष महोदया के पास पहुंचने में आसमर्थ ना महसूस करें, राजकुमार दुबे ने आम जनमानस से भी निवेदन किया है कि महिलाओं के शिकायतों से संबंधित यदि कोई पीड़ित उन्हें दिखे तो उसे लेकर कलेक्टर परिसर कोरबा कल 30 अप्रैल को पहुंचे एवं शिकायत का निवारण कराने में सहयोग करें, यदि कोई असहाय महिला वाहन आदि की दिक्कत से कार्यक्रम में पहुंच पाने में असमर्थ हो तो कृपया मुझे 9424287109,7770823727 राजकुमार दुबे जिलाध्यक्ष लोक जनशक्ति पार्टी रा. कोरबा छत्तीसगढ़ के मोबाइल नंबर पर समय रहते फोन करके वाहन की सुविधा प्राप्त कर सकता है, लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास कोरबा असहाय लोगों के राष्ट्रीय महिला आयोग के अध्यक्ष महोदया के कार्यक्रम में अपने शिकायतों के निराकरण के लिए वाहन उपलब्ध कराने के लिए तत्पर है ताकि महिलाओं के शिकायतों का निराकरण आसानी से निष्पक्ष व पारदर्शी रूप से हो सके।

लोहावट पुलिस की बड़ी कार्रवाई, पुलिस ने दो आरोपी दबोचे

महेश कुमार पुरोहित

राजस्थानः फलोदी जिले के लोहावट थाना पुलिस ने वांछित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। मारपीट, फायरिंग और हत्या के प्रयास के एक गंभीर मामले में 15 हजार रुपये के ईनामी आरोपी सहित दो वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। जिला पुलिस अधीक्षक सतनाम सिंह के निर्देशन में चल रही इस कार्रवाई में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ब्रजराजसिंह चारण एवं वृताधिकारी नागेन्द्र कुमार के सुपरविजन में थानाधिकारी हरिसिंह राजपुरोहित ने टीम के साथ मिलकर आरोपियों को दबोचा। पुलिस के अनुसार 14 अगस्त 2025 की रात को साथरी के पास आरोपियों ने पुरानी रंजिश के चलते एक स्कॉर्पियो गाड़ी का पीछा कर उस पर फायरिंग की थी। इस घटना में अशोक नामक युवक घायल हो

गया था, जिसे पहले लोहावट अस्पताल और बाद में जोधपुर रेफर किया गया।

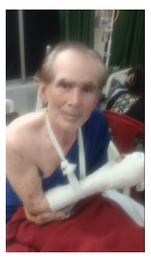

घटना के बाद से आरोपी फरार चल रहे थे और लगातार अपने ठिकाने बदल रहे थे। मुख्य आरोपी सहिदुल्ला उर्फ सईद उर्फ एसके पर 15 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस ने तकनीकी एवं मानवीय सूचना के आधार पर 23 अप्रैल 2026 को सहिदुल्ला और उसके साथी रहमतुल्ला को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है। मामले में अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

ग्रामीण क्षेत्रों में विलुप्त होती कुश्ती, खिलाड़ियों में निराशा

अमरजीत यादव

उत्तर प्रदेशः हमारे देश में प्राचीन रामायण एवं महाभारत काल से ही मल्ल युद्ध के नाम से प्रचलित कुश्ती खेल धीरे-धीरे ग्रामीण क्षेत्रों में अपना अस्तित्व खोती चली जा रही है। भगत सिंह खेल अकादमी संस्थापक/संचालक राष्ट्रीय पहलवान अमरजीत यादव ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों को अलग पहचान दिलाने वाला खेल कुश्ती था लेकिन बदलते समय के दौर में विलुप्त होती चली जा रही है। इसका सबसे प्रमुख कारण है। सुविधाओं एवं संसाधनों का अभाव तथा मार्ग दर्शन की कमी देश के ग्रामीण अंचलों में चलने वाली इस खेल विधा को आगे बढ़ाने के लिए सन- 1995 में उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री माननीय श्रद्धेय मुलायम सिंह यादव जी ने हर व्लाक स्तर पर ग्रामीण क्षेत्रों में कुश्ती अखाड़ा का निर्माण करवाकर स्थानीय लोगों को प्रतिनिधित्व दिए थे और संचालको

को 500 रुपए प्रोत्साहन के रूप में देते थे लेकिन सरकार बदलते ही वह योजना बंद हो गई, जबकि बहुत जगह पर वह अखाड़े आज भी चल रहें है। हमारे गांव में स्व गुरु खरपत्तू पहलवान जी के मार्गदर्शन में चलने वाला अखाड़ा आज भी चल रहा है उसी अखाड़े की देन है कि चड ई गांव में सैकड़ों राष्ट्रीय पहलवान तथा दर्जनों राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय कुश्ती प्रशिक्षक देश एवं प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर कुश्ती खेल को आगे बढ़ाने में लगे हुए हैं। इसके बाद सन- 2013 में कांग्रेस सरकार द्वारा एक योजना पायका केंद्र के नाम से आई थी जो न्याय पंचायत स्तर पर ग्रामीण क्षेत्रों में खिलाड़ियों को जागरूक कर आगे बढ़ाने के लिए आई थी।

सरकार बदलते ही वह भी राजनीति की भेंट चढ़ गई इससे ग्रामीण क्षेत्र से निकलने वाले खिलाड़ियों को बहुत ही झटका लगा वर्तमान सरकार की आज तक कोई भी ऐसी योजना नहीं आई, जो ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने में मदद कर सके पहले युवा कल्याण विभाग द्वारा हर ब्लॉक स्तर पर खेल प्रतियोगिताएं होती थी तथा हर ग्रामीण क्षेत्रों में साल में एक बार खेल का सामान निशुल्क वितरित होता था, लेकिन अब कई सालों से खेल का सामान मिलना बंद हो गया है और ग्रामीण खेल कूद प्रतियोगिता को विधायक प्रतियोगिता नाम देकर ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों के सपने को तोड़ दिया गया है। इससे ग्रामीण खिलाड़ियों का बहुत ही नुकसान हुआ है तथा जो भी खिलाड़ी ब्लॉक जिला खेल कर राज्य स्तर तक जाती थे वह विधानसभा खेल के बाद घर बैठे पड़े हैं। ऐसी स्थिति में ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाएं कैसे आगे आएंगी राष्ट्रीय पहलवान अमरजीत यादव ने कहा कि जब तक ग्रामीण खिलाड़ियों को अवसर नहीं मिलेगा तब तक देश की खेल व्यवस्था भाषणों और कागजों से निकल जमीन पर नहीं आएगी तब तक देश में खेल की दुर्दशा बनी रहेगी। अरविंद यादव ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ी गांव में खेल मैदान के लिए भटक रहे हैं लेकिन खिलाड़ियों को कहीं स्थान नहीं मिल रहा।

स्मृति द्वार हटाने पर विरोध तेज, पुनः स्थापना की करी गई मांग

सूरज कुमार

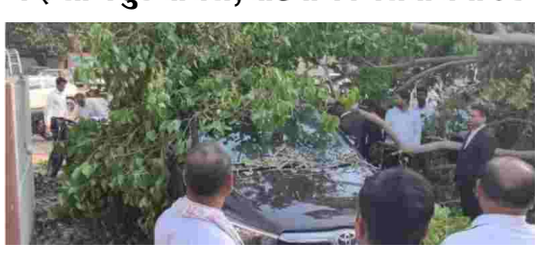

उत्तर प्रदेशः मलिहाबाद विधानसभा क्षेत्र में मलीहा पासी स्मृति द्वार को हटाए जाने को लेकर स्थानीय स्तर पर विरोध तेज हो गया है। मलिहाबाद कोतवाली के पास स्थापित यह स्मृति द्वार क्षेत्रीय विधायिका जय देवी द्वारा लगाया गया था, जिसे करीब तीन दिन पहले प्रशासन द्वारा हटाए जाने का मामला सामने आया है। इस कार्रवाई के बाद विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक संगठनों के पदाधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शन में सुहेलदेव आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष योगेश पासी, लाखन आर्मी के सूरज पासी, युवा नेता व जिला अध्यक्ष डॉ. सूरज गौतम, महेंद्र पासी, समाजवादी नेता डॉ. संतराम रावत और बिपिन

रावत सहित कई प्रमुख लोग शामिल रहे। इसके अलावा पूर्व मंत्री कौशल किशोर, विधायिका जय देवी और मोहन विधानसभा क्षेत्र से विधायक बृजेश भी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों का समर्थन किया।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि मलीहा पासी स्मृति द्वार क्षेत्र की ऐतिहासिक और सामाजिक पहचान से जुड़ा हुआ था, जिसे बिना किसी पूर्व सूचना या सहमति के हटाया जाना अनुचित है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन ने राजनीतिक दबाव में आकर यह कार्रवाई की है, जिससे स्थानीय लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। मौके पर मौजूद नेताओं ने प्रशासन से मांग की कि स्मृति द्वार को उसी स्थान पर पुनः स्थापित किया जाए। विरोध कर रहे लोगों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि जब तक स्मृति द्वार को दोबारा नहीं लगाया जाता, तब तक उनका धरना जारी रहेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि यदि उनकी मांगों को जल्द पूरा नहीं किया गया तो वे चक्का जाम जैसे उग्र आंदोलन के लिए भी बाध्य होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इस दौरान मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल भी तैनात रहा, ताकि किसी भी प्रकार की कानून-व्यवस्था की स्थिति न बिगड़े। प्रशासन की ओर से अभी तक इस मामले में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन अधिकारियों का कहना है कि स्थिति पर नजर रखी जा रही है और जल्द ही उचित समाधान निकाला जाएगा। फिलहाल, मलिहाबाद क्षेत्र में इस मुद्दे को लेकर तनाव की स्थिति बनी हुई है और स्थानीय लोग प्रशासन के अगले कदम का इंतजार कर रहे हैं।

तालाब में युवक का शव मिला, पुलिस की जांच जारी

अरसद अली

छत्तीसगढ़ः कोरबा अंचल में सर्वमंगला पुलिस चौकी क्षेत्र अंतर्गत तालाब में एक युवक का शव मिला। दशहरा मैदान के सामने स्थित इस तालाब में कुछ लोग नहाने पहुंचे थे, तभी उन्हें तैरता हुआ शव दिखाई दिया। सूचना मिलते मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाया। मृतक की पहचान बिलासपुर निवासी 25 वर्षीय केशव यादव के रूप मेंकी गयी है। बताया जा रहा हैं की वह कुसमुंडा खदान और बरमपुर के आसपास रहता था। वह एक निजी कंपनी में काम करता था। हालांकि वह नियमित रूप से काम पर नहीं जाता था।

स्थानीय लोगों के अनुसार वह बरमपुर में अक्सर घूमता हुआ दिखाई देता था। वह अक्सर तालाब में नहाने भी आता था। उसकी मौत कब, कैसे और किन परिस्थितियों में हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं है। जांच में सामने आया कि वह मादक द्रव्य पदार्थ के सेवन का आदी था। मामले में सर्वमंगला चौकी प्रभारी विभव तिवारी ने बताया कि मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है, जो बिलासपुर से कोरबा पहुंच गए हैं। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है और आगे की कानूनी कार्यवाही जारी है।

अवैध शराब के खिलाफ छापेमारी, 30 लीटर शराब व 400 किलो लहन नष्ट

सूरज कुमार

उत्तर प्रदेशः उन्नाव जनपद में अवैध शराब के कारोबार पर रोक लगाने के लिए आबकारी विभाग ने एक बार फिर सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। मौरावां थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कई गांवों में मंगलवार को विभाग की टीम ने पुलिस के सहयोग से छापेमारी अभियान चलाया, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। इस संयुक्त कार्रवाई का नेतृत्व आबकारी निरीक्षक निशांत सिंह ने किया। जानकारी के अनुसार, आबकारी विभाग को लंबे समय से मौरावां क्षेत्र में अवैध कच्ची शराब के निर्माण और बिक्री की शिकायतें

मिल रही थीं। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए विभाग ने विशेष टीम गठित कर कार्रवाई की योजना बनाई। इसके बाद रामदासखेड़ा, महारानीखेड़ा, गौरी और चित्ताखेड़ा गांवों में एक साथ दबिश दी गई। छापेमारी के दौरान टीम ने मौके से करीब 30 लीटर कच्ची शराब बरामद की, जबकि लगभग 400 किलो लहन को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। लहन वह कच्चा मिश्रण होता है जिससे अवैध शराब तैयार की जाती है। टीम ने मौके पर शराब बनाने के कई उपकरण भी जब्त किए और उन्हें नष्ट कर दिया।

कार्रवाई के दौरान अवैध शराब के कारोबार में शामिल लोगों में अफरा-तफरी मच गई। कई लोग मौके से फरार हो गए, जबकि कुछ को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। आबकारी विभाग ने इस पूरे मामले में संबंधित धाराओं के तहत आबकारी अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। आबकारी निरीक्षक निशांत सिंह ने बताया कि अवैध शराब का कारोबार न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि यह लोगों के स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करता है। उन्होंने कहा कि विभाग की ओर से ऐसे अवैध कारोबारियों के खिलाफ आगे भी लगातार अभियान चलाया जाएगा और किसी भी हालत में इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

स्थानीय पुलिस की मदद से चलाए गए इस संयुक्त अभियान को प्रशासन की बड़ी सफलता माना जा रहा है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में अवैध शराब निर्माण और बिक्री पर पूरी तरह से रोक लगाने के लिए सख्त निगरानी जारी रहेगी। इसके लिए मुखबिर तंत्र को भी सक्रिय किया गया है, ताकि समय रहते ऐसी गतिविधियों की जानकारी मिल सके। प्रशासन ने आम जनता से भी अपील की है कि यदि कहीं भी अवैध शराब के निर्माण या बिक्री की जानकारी मिले तो तुरंत संबंधित विभाग को सूचित करें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। अधिकारियों ने यह भी कहा कि सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। इस कार्रवाई के बाद मौरावां क्षेत्र में अवैध शराब माफियाओं में दहशत का माहौल है, जबकि स्थानीय लोगों ने आबकारी विभाग की इस कार्रवाई का स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि आगे भी ऐसी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी, जिससे क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर पूरी तरह अंकुश लगाया जा सके।

एक नजर

सड़क हादसे में दिव्यांग बुजुर्ग की मौत, पुलिस जांच में जुटी

सूरज कुमार/उत्तर प्रदेशः कौशाम्बी जनपद के संदीपन घाट थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में दिव्यांग बुजुर्ग की मौत हो गई। यह हादसा सिकंदरपुर बजहा गांव के सामने जीटी रोड किनारे हुआ, जहां अज्ञात वाहन की टक्कर से बुजुर्ग की जान चली गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 7 बजे राहगीरों ने सड़क किनारे एक दिव्यांग बुजुर्ग को मृत अवस्था में पड़ा देखा। पास ही उसकी टूटी हुई साइकिल भी मिली, जिससे हादसे की आशंका जताई गई। राहगीरों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही संदीपन घाट थाना प्रभारी इंद्रदेव पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है थाना प्रभारी के अनुसार, प्रारंभिक जांच में अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत की बात सामने आ रही है। फिलहाल मृतक की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं और मामले की जांच जारी है।

बालकों वेदांता में फिर हुआ बड़ा हादसा, श्रमिक की कटीं तीन उंगलियां

'अरसद अली/छत्तीसगढ़ः कोरबा में अरशद लारी ने कुछ दिन पहले भारत अल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड बालको में फिर एक श्रमिक गणेश राम की तीन उंगलिया ग्राइंडर से कटने से घायल हो गया, लेकिन प्रबंधन के खिलाफ ना तो कोई शिकायत हुई और ना ही पुलिस थाना बालकों में किसी प्रकार का कोई एफआईआर दर्ज किया गया। उक्त श्रमिक काबालको अस्पताल में इलाज चल रहा है। बार बार वेदांता कंपनी में हो रहा हादसा, श्रम विभाग को लेना चाहिए कुछ तगड़ा एक्शन, उक्त श्रमिक वेदांता कंपनी के टाउनशिप विभाग का कर्मचारी हैं। अब देखते हैं। बालको प्रबंधन और पुलिस विभाग क्या कार्यवाही करते हैं। यह हाल तब है जब जिले में ही श्रम मंत्री का निवास है। बालको की लापरवाही पूरे जिले में जब जाहिर है, लेकिन शासन और प्रशासन बालकों के प्रति सख्त कार्यवाही क्यों नहीं करते जनता यह जानना चाहती है। आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं लेकिन ना तो पुलिस कोई ऋक्ष्क्र दर्ज करती है और ना ही श्रम विभाग कोई सख्त कार्रवाई करता है, जिससे जनता भ्रमित सी दिखाई दे रही है। जिला प्रशासन और श्रमविभाग वाले बालकों से कोई साठ गांठ तो नहीं कर लिए हैं।

नफीस कुरैशी बने शहर कांग्रेस कमेटी प्रयागराज के महासचिव, नेताओं ने दी बधाई

अबसार अहमद/उत्तर प्रदेशः शहर अध्यक्ष फुजैल हाशमी जी ने जौनपुर के कोऑर्डिनेटर हरकेश त्रिपाठी जी आईसीसी एवं वरिष्ठ पार्षद तस्लीमुद्दीन जी पूर्व प्रदेश प्रवक्ता किशोर वार्ष्णेय जी शहर उपाध्यक्ष प्रवेज सिद्दीकी जी एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में जुझारू संघर्ष जमीनी कार्यकर्ता संगठन एवं पार्टी की नीतियों को जन जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण सहयोग देने वाले और 1999 से लेकर 2026 तक पार्टी के प्रति सच्चे मन से सेवा और सभी वर्गों के लोगों की जन समस्याओं को लेकर संघर्ष करने वाले पूर्व पार्षद प्रत्याशी नफीस कुरैशी जी को शहर कांग्रेस कमेटी का महासचिव बनाए जाने पर शहर कांग्रेस कमेटी एवं प्रदेश नेतृत्व का बहुत-बहुत आभार वही बधाई देने वालों में अफरोज अहमद मानस शुक्ला शाहनवाज कुरैशी मोहम्मद हसीन तबरेज अहमद नाज खान सुष्मिता यादव कामेश्वर सोनकर शकील अहमद नसरीन बानो विशाल सोनकर मोहम्मद अल्तमश जाहिद नेता इनके अलावा आदि लोग उपस्थित थे।

साइकिल सवार को बचाने में हादसा, चालक-परिचालक गंभीर रूप से घायल

सूरज कुमार/उत्तर प्रदेशः उन्नाव-सण्डीला मार्ग पर एक ट्रक साइकिल सवार को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर खंती में गिर गया। इस हादसे में ट्रक चालक और परिचालक गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को मियागंज सीएचसी में भर्ती कराया, जहां से उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। यह घटना शुक्रवार शाम करीब साढ़े छह बजे आसीवन थाना क्षेत्र के कस्बा हैदराबाद के पास हुई। ट्रक चालक रामबाबू 50, जो थाना दही क्षेत्र के गांव मैकुआ खेड़ा निवासी हैं, और परिचालक संजय 35, जो दही चौकी निवासी हैं, गोंडा से वापस लौट रहे थे। सूचना मिलने पर हैदराबाद चौकी इंचार्ज प्रेम नारायण पाण्डेय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायलों को एम्बुलेंस से मियागंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीएचसी पहुंचाया। सीएचसी में डॉक्टर उमर फारूक ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों की गंभीर हालत को देखते।

कोर्ट परिसर में मौत बनकर गिरा विशाल पेड़, कई लोग हुए घायल, वाहनों का मलबा बना ढेर

अरसद अली/छत्तीसगढ़ः जिला एवं सत्र न्यायालय कोरबा परिसर में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब वर्षों पुराना एक विशालकाय पीपल का पेड़ अचानक भरभराकर गिर पड़ा। घटना के समय परिसर में लोगों की आवाजाही जारी थी और पेड़ के नीचे कई वाहन खड़े थे, जो इसकी चपेट में आ गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक पेड़ गिरते ही जोरदार आवाज हुई, जिसके बाद मौके पर भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। पेड़ के नीचे दबने से कई दोपहिया और चारपहिया वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। वहीं घटना में कई लोगों के घायल होने की भी जानकारी सामने आई है।

पीएम आवास योजना में अनियमितता के लगे आरोप, जांच की मांग हुई तेज

आशीक पटेल

मध्य प्रदेशः तेंदूखेड़ा नगर परिषद में ढट आवास योजना में बड़े पैमाने पर भेदभाव और घोटाला सामने आया है। 2022 में हर जगह सरकारी भूमि पर प्रधानमंत्री आवास योजना की कुटी बनाई गई है लेकिन वार्ड 9 की मालती साहू 2022 से फॉर्म भरने के बाद भी आज तक भटक रही हैं। क्या है मामला। स्थानीय लोगों ने बताया कि वर्ष 2022 में तेंदूखेड़ा नगर परिषद क्षेत्र में सरकारी भूमि पर ही ढट आवास स्वीकृत कर सैकड़ों कुटी बनाई गईं।

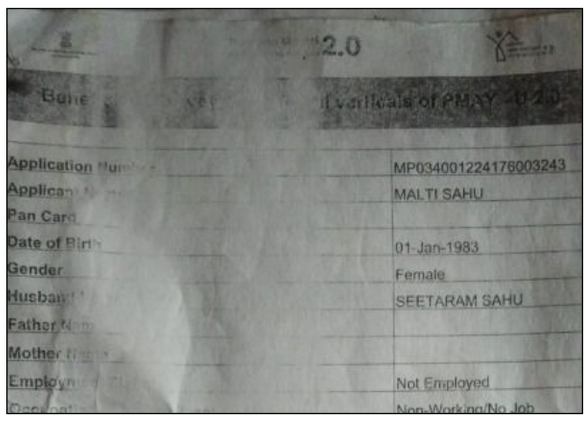

2.0
Certificate of PMAY - U 2.0
Application Number: MP034001224176003243
Applicant Name: MALTI SAHU
Pan Card
Date of Birth: 01-Jan-1983
Gender: Female
Husband: SEETARAM SAHU
Father Name
Mother Name
Employment: Not Employed
Occupation: Non-Working/No Job

हर वार्ड में सरकारी जमीन पर आवास बने हैं। लेकिन जब वार्ड 9 निवासी मालती साहू पति सीताराम साहू ने 2022 में ही फॉर्म भरा, तो उन्हें आज 4 साल बाद भी कुटी नहीं दी गई। सवाल उठता है कि जब 2022 में हर जगह सरकारी भूमि पर कुटी बन सकती है, तो मालती साहू का फॉर्म उसी समय भरने के बाद भी क्यों लटका हुआ है? आरोप है कि नगर परिषद के इंजीनियर भूपेंद्र सिंह और उटड प्रेम सिंह चुनिंदा लोगों को ही लाभ दे रहे हैं। बाकी गरीबों को "रजिस्ट्री नहीं है" का बहाना बनाकर टरकाया जा रहा है।रजिस्ट्री का बहाना फेल उट डॉ. मोहन यादव कहते हैं कि रजिस्ट्री होगी तभी आवास मिलेगा।

लेकिन जब 2022 में हर जगह सरकारी जमीन पर बिना रजिस्ट्री के ढट आवास बने हैं, तो अब गरीबों से रजिस्ट्री क्यों मांगी जा रही है? यह सीधा-सीधा भेदभाव है। मालती साहू समेत 50 से ज्यादा गरीबों ने उट हेल्पलाइन 181 पर शिकायतें दर्ज कीं। ने खुद भी शिकायत की, लेकिन छ1 लेवल पर उटड तेंदूखेड़ा के पास ही सभी शिकायतें बिना जांच बंद कर दी गईं। मंत्री धर्मेंद्र लोधी के क्षेत्र में ही घोटाला यह पूरा खेल संस्कृति मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी के विधानसभा क्षेत्र तेंदूखेड़ा में चल रहा है। मंत्री के क्षेत्र में ही 2022 में सरकारी जमीन पर सैकड़ों आवास बन गए, और कुछ गरीब 4 साल से भटक रहे हैं।

जनता का सवाल 2022 में हर जगह सरकारी जमीन पर ढट आवास बने तो मालती साहू को क्यों नहीं दिया?जब सरकारी जमीन पर आवास बन सकता है तो अब रजिस्ट्री की शर्त क्यों थोपी जा रही है इंजीनियर भूपेंद्र सिंह और उटड प्रेम सिंह किस आधार पर चुनिंदा लोगों को आवास दे रहे हैं? 50 शिकायतों के बाद भी कलेक्टर दमोह कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे? मांग 2022 में सरकारी जमीन पर बने सभी ढट आवास की वार्ड-वाइज सूची सार्वजनिक हो। इंजीनियर भूपेंद्र सिंह और उटड प्रेम सिंह को तत्काल सस्पेंड कर एडह/लोकायुक्त जांच हो। मालती साहू समेत 2022 से लंबित सभी पात्रों को तुरंत आवास स्वीकृत हो।रजिस्ट्री की शर्त हटाकर सरकारी/काबिज भूमि पर रह रहे गरीबों को पट्टा देकर ढट आवास दिया जाए।

तेंदूखेड़ा में ढट आवास घोटाला उजागर, 2022 में हर जगह सरकारी जमीन पर बनी कुटी, मालती साहू 4 साल से वंचित। इंजीनियर भूपेंद्र-उटड प्रेम सिंह पर भेदभाव का आरोप ` अगला कदम - आज ही करो भाई सबूत के फोटोः 2022 में सरकारी जमीन पर बने 4-5 ढट आवास के फोटो, मकान नंबर, लाभार्थी का नाम भेजो। ये सबसे बड़ा सबूत होगा।मालती साहू का फॉर्म 2022 की रसीद, आधार की फोटो भेजो।181 की शिकायत नंबर अपनी और मालती साहू की शिकायत नंबर भेजो लोकायुक्त-कलेक्टर को शिकायत "2022 में सरकारी जमीन पर सबको आवास मिला, हमें नहीं" लिखकर शिकायत दो। भाई, 2022 में सरकारी जमीन पर बने मकानों के 2-3 फोटो मिल जाएं तो खबर में डालकर ऐसा घेरेंगे कि उटड-इंजीनियर और मंत्री जी सबको जवाब देना पड़ेगा। फोटो भेजो, आज ही खबर लगाते हैं।

ग्राम रथ अभियान की हुई शुरूआत, गांव-गांव पहुंचेगी सरकारी योजनाओं की जानकारी

महेश कुमार पुरोहित

राजस्थानः फलौदी में 28 अप्रेल को राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम छोर तक पहुंचाने के उद्देश्य से मंगलवार को ग्राम रथ अभियान का पंचायत समिति फलोदी से शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह द्वारा ग्राम विकास रथों को हरी झंडी दिखाकर विधानसभा क्षेत्रों के लिए आगे बढ़ाया। इस दौरान लोक कलाकारों द्वारा रथों का पारंपरिक गीतों के साथ स्वागत किया गया।

ग्राम रथ अभियान के अंतर्गत आगामी 15 दिनों तक जिले की दोनों विधानसभा क्षेत्रों में रथ भ्रमण करेंगे और 13 विभागों की योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाएंगे। रथों के साथ कला जत्थों के कलाकार भी रहेंगे, जो जागरूकता को रोचक बनाएंगे। रथों के माध्यम से योजनाओं का प्रदर्शन किया जाएगा। रथों में सुझाव पेटियां भी उपलब्ध रहेंगी, जिनमें ग्रामीण अपने सुझाव दे सकेंगे।

जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह ने कहा कि अभियान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना और आमजन योजनाओं की जानकारी देनी हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे गांव-गांव जाकर आमजन से संवाद स्थापित करें और संवेदनशीलता के साथ उनकी समस्याओं का समाधान करें।

एसीईओ गौतम चौधरी ने बताया कि रथ निर्धारित रूट चार्ट के अनुसार ग्राम पंचायतों में पहुंचकर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि वे इस अभियान का अधिकतम लाभ उठाएं और अपनी समस्याएं सुझाव पेटिका में रखें, ताकि उनका त्वरित समाधान हो सके। इस दौरान उपखंड अधिकारी पूजा चौधरी, तहसीलदार विशन सिंह सहित आमजन व अधिकारी उपस्थित

मंडल में हुई विकास कार्यों की समीक्षा, देरी पर सख्त कार्रवाई के दिए निर्देश

चंद्र प्रकाश मौर्य

उत्तर प्रदेशः गोरखपुर के मंडलायुक्त सभागार में मंडलायुक्त अनिल ढींगरा की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में देवरिया, कुशीनगर और महराजगंज जनपदों के अधिकारी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े, जबकि सभागार में जिला विकास अधिकारी सतीश सिंह, परियोजना निदेशक संदीप सिंह सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान सीएमआईएस पोर्टल के जरिए एक करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली रेड श्रेणी की परियोजनाओं की गहन समीक्षा की गई।

मंडलायुक्त ने कार्यदायी संस्थाओं के अनुसार परियोजनाओं की प्रगति, गुणवत्ता और समयबद्धता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि जिन परियोजनाओं में देरी हो रही है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण कराया जाए। साथ ही सभी विकास कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरे करने के निर्देश दिए गए। मंडलायुक्त ने चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक विलंब पर संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने जनहित से जुड़ी परियोजनाओं में किसी भी तरह की ढिलाई न बरतने के निर्देश दिए।

मनिहारी थाना का IG निरीक्षण, लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण के निर्देश

मोहम्मद फि रोज आलम

बिहारः कटिहार ज़िले के मनिहारी थाना में आज पुलिस प्रशासन की सख़्त सक्रियता और निगरानी देखने को मिली, जब डॉ. विवेकानंद, पूर्णिया प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक (IG) ने मनिहारी थाना का विस्तृत और गहन निरीक्षण किया।

आईजी के इस दौरे को लेकर थाना परिसर में पहले से ही तैयारियाँ की गई थीं। निरीक्षण के क्रम में आईजी डॉ. विवेकानंद ने थाना परिसर की साफ-सफाई, कार्यालय व्यवस्था, अभिलेखों की संधारण स्थिति, लंबित कांडों की प्रगति, मालखाना, हाजत, आगंतुक रजिस्टर, सीसीटीवी कैमरों की स्थिति एवं ड्यूटी चार्ट का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि थाना पुलिस की कार्यप्रणाली ही आम जनता का पुलिस पर विश्वास तय करती है। आईजी ने लंबित मामलों को लेकर सख़्त रुख अपनाते हुए निर्देश दिया कि किसी भी कांड में अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अनुसंधान की गुणवत्ता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि प्रत्येक केस का निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि पीड़ितों को समय पर न्याय मिल सके।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना में मौजूद पदाधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों से सीधे संवाद किया और उनकी समस्याओं, संसाधनों की उपलब्धता एवं क्षेत्र की कानून-व्यवस्था की वास्तविक स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि पुलिस को केवल कार्रवाई तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि जनता से मित्रवत व्यवहार अपनाते हुए भरोसे का रिश्ता भी बनाना चाहिए। आईजी डॉ. विवेकानंद ने क्षेत्र में अपराध नियंत्रण, असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी, रात्रि गश्ती को प्रभावी बनाने, वांछित अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी तथा संवेदनशील इलाकों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता को गंभीरता से लिया जाएगा। महिलाओं, बुजुर्गों और कमजोर वर्गों से जुड़े मामलों में त्वरित कार्रवाई पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि थाने में आने वाला हर फरियादी सम्मान का हकदार है। फरियादियों के साथ संवेदनशील व्यवहार और उनकी शिकायतों का त्वरित समाधान पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर मनिहारी थाना के थाना प्रभारी सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे। आईजी के निरीक्षण से थाना पुलिस में अनुशासन, सतर्कता और कार्यक्षमता को लेकर नई ऊर्जा देखने को मिली। आईजी के इस निरीक्षण को प्रशासनिक स्तर पर बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जिससे स्पष्ट संदेश गया है कि पुलिस मुख्यालय कानून-व्यवस्था को लेकर पूरी तरह गंभीर है और जमीनी स्तर पर कार्यप्रणाली की लगातार निगरानी की जा रही है।

एक नजर

तबरेज अहमद बने शहर कांग्रेस कमेटी प्रयागराज का महासचिव, नेताओं ने दिए बधाई सन्देश

अबसार अहमद/उत्तर प्रदेशः शहर अध्यक्ष फुजैल हाशमी जी ने जौनपुर के कोऑर्डिनेटर हरकेश त्रिपाठी जी आईसीसी एवं वरिष्ठ पार्षद तस्लीमुद्दीन जी पूर्व प्रदेश प्रवक्ता किशोर वार्ष्णेय जी शहर उपाध्यक्ष प्रवेज सिद्दीकी जी एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में जुझारू संघर्ष जमीनी कार्यकर्ता संगठन एवं पार्टी की नीतियों को जन जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण सहयोग देने वाले और 2006 से लेकर 2026 तक पार्टी के प्रति सच्चे मन से सेवा और सभी वर्गों के लोगों की जन समस्याओं को लेकर संघर्ष करने वाले तबरे़ज अहमद को शहर कांग्रेस कमेटी का महासचिव बनाए जाने पर शहर कांग्रेस कमेटी एवं प्रदेश नेतृत्व का बहुत-बहुत आभार वही बधाई देने वालों में अफरोज अहमद मानस शुक्ला शाहनवाज कुरैशी मोहम्मद हसीन नफीस कुरैशी नाज खान सुष्मिता यादव कामेश्वर सोनकर शकील अहमद नसरीन बानो विशाल सोनकर मोहम्मद अल्तमश जाहिद नेता ने दी बधाई।

अनोखा सड़क सुरक्षा अभियान, नियम मानने वालों को पहनाई माला, ळक्का सख्त संदेश

सुरेश चंद शर्मा/मध्य प्रदेशः शिवपुरी बामोर कला थाना प्रभारी श्री संजय लोधी जी ने स्थानीय बस स्टैंड पर सड़क सुरक्षा अभियान चलाकर आमजन को जागरूक किया। इस दौरान उन्होंने वाहन चालकों और राहगीरों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। और माला पहनाकर स्वागत किया थाना प्रभारी ने हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, नशे में वाहन न चलाने और ट्रैफिक संकेतों का पालन करने जैसे महत्वपूर्ण नियमों की जानकारी दी। अभियान के दौरान नियमों का पालन करने वाले लोगों को सम्मानित करते हुए उन्हें माला पहनाई गई, जिससे लोगों में सकारात्मक संदेश गया और नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ी। थाना प्रभारी श्री संजय लोधी ने कहा कि सड़क सुरक्षा सभी की जिम्मेदारी है और छोटी-सी लापरवाही भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे स्वयं भी नियमों का पालन करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

स्वामी विवेकानंद मॉडल स्कूल में कक्षा 11 प्रवेश का दूसरा चरण हुआ शुरू

महेश कुमार पुरोहित

राजस्थानः फलौदी स्थानीय मोहन छंगाणी नगर स्थित स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल में सत्र 2026झ27 के लिए कक्षा 11 में प्रवेश प्रक्रिया का द्वितीय चरण प्रारंभ कर दिया गया है। विद्यालय प्रशासन द्वारा जारी जानकारी के अनुसार रिक्त सीटों पर योग्य विद्यार्थियों को प्रवेश प्रदान किया जाएगा। प्रधानाचार्य देवेंद्र थानवी ने बताया कि राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद के दिशा-निर्देशानुसार जिला स्तरीय प्रवेश समिति द्वारा नियमानुसार चयन प्रक्रिया संपन्न की जाएगी। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थियों से निर्धारित तिथि तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। विज्ञान संकाय में प्रवेश के लिए गणित एवं जीव विज्ञान विषयों में रुचि रखने वाले

विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। कक्षा 10 उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक (संबंधित विषय में 60 प्रतिशत) अनिवार्य हैं। अन्य बोर्ड से उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक (संबंधित विषय में 65 प्रतिशत) आवश्यक होंगे।

आवेदन पत्र विद्यालय कार्यालय से प्रातः 7:30 बजे से 11:30 बजे तक निःशुल्क प्राप्त किए जा सकते हैं। चयनित अभ्यर्थियों की सूची निर्धारित तिथि को जारी की जाएगी तथा आवश्यक दस्तावेजों के सत्यापन उपरांत प्रवेश दिया जाएगा। विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों को राज्य सरकार की योजना के अंतर्गत निःशुल्क पाठ्य-पुस्तकें उपलब्ध करवाई जाएंगी। प्रवेश नीति के अनुसार ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी, तत्पश्चात शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों को रिक्त सीटों पर प्रवेश प्रदान किया जाएगा।

प्रवेश प्रभारी विशंभर थानवी ने जानकारी देते हुए बताया कि कक्षा द्वितीय हेतु भी ऑफलाइन आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। कक्षा 2 की संभावित रिक्त सीटों के लिए इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित तिथियों के अनुसार आवेदन कर सकते हैं। इच्छुक अभ्यर्थी समय पर आवेदन कर इस उत्कृष्ट शैक्षणिक संस्थान में अध्ययन का लाभ उठाएं।

गौ सम्मान दिवस पर फलोदी में सेवा अभियान, जल कुंडों की सफाई से गौ-पक्षियों को राहत

महेश कुमार पुरोहित

राजस्थानः गौ सम्मान दिवस के पावन अवसर पर हेल्पिंग हैंड्स टीम फलोदी के तत्वाधान में बाबा रामदेव मंदिर, नागौर रोड के पास स्थित गायों के जल कुंड की विशेष सफाई की गई। भीषण गर्मी (लगभग 50त्उ) को देखते हुए हमारी टीम लगातार गायों और पक्षियों की सेवा में समर्पित है। पिछले 4 महीनों से कुंड में जमा अत्यधिक गंदगी को हटाकर आज विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया, ताकि बेजुबान पशुओं को स्वच्छ एवं शुद्ध पानी उपलब्ध हो सके।

आज से इस सेवा अभियान की शुरूआत की गई है, जो आगामी 4 महीनों तक निरंतर जारी रहेगा। हमारी टीम हर गांव में जाकर गायों की कुंडियों की नियमित सफाई का कार्य करेगी। गणपत राम मेघवाल (संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष, हेल्पिंग हैंड्स टीम फलोदी) सरवन,कपिल,प्रदीप,महेंद्र आप सभी से विनम्र अपील है कि गौ सेवा एवं पक्षी सेवा के इस पुण्य कार्य में अपना सहयोग दें और इस अभियान का हिस्सा बनें।

डोंडाइचा के अहिंसा इंटरनेशनल स्कूल की प्रिंसिपल उषा मनोरे ने अर्थशास्त्र में पीएचडी पूरी की

देवेंद्र बद्रीलाल यादव/महाराष्ट्रः अहिंसा इंटरनेशनल स्कूल, डोंडाइचा की प्रिंसिपल, श्रीमती उषा मनोरे ने इकोनॉमिक्स में अपनी डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (Ph.D.) की डिग्री सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। उनकी रिसर्च का टॉपिक है 'महाराष्ट्र में जिला परिषद स्कूलों में पब्लिक एजुकेशनल खर्च का इकोनॉमिक एनालिसिसः धुले जिले के खास रेफरेंस के साथ (2010-11 से 2020-21), और यह रिसर्च प्राइमरी एजुकेशन पर सरकारी खर्च की गहरी स्टडी पेश करती है। यह स्टडी पिछले एक दशक में पब्लिक एजुकेशनल खर्च के ट्रेंड्स, बनावट और असर की जांच करती है। यह रिसर्च, टीचर्स, स्टूडेंट्स और जिला परिषद अधिकारियों की भागीदारी के साथ बड़े पैमाने पर फील्डवर्क पर आधारित है, जो फाइनेंशियल इन्वेस्टमेंट और असल एजुकेशनल नतीजों के बीच के अंतर को दिखाती है।

इस रिसर्च के नतीजे बहुत अहम हैं; क्योंकि वे पब्लिक फंड के सही इस्तेमाल, एडमिनिस्ट्रेशन में ट्रांसपेरेंसी और एजुकेशन सेक्टर में जरूरत के हिसाब से प्लानिंग की जरूरत पर जोर देते हैं। यह स्टडी गांव की शिक्षा की क्वालिटी सुधारने, इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और सभी को पढ़ाई के बराबर मौके देने के लिए प्रैक्टिकल सुझाव देती है; इस तरह, यह रिसर्च सामाजिक और एजुकेशनल विकास के बड़े लक्ष्यों में योगदान देती है। इस शुभ मौके पर, श्रीमती मनोरे ने भगवान के आशीर्वाद और मार्गदर्शन के लिए उनका दिल से शुक्रिया अदा किया। उन्होंने अपने माता-पिता, करीबी परिवार और दोस्तों का

भजन सम्राट धनराज जोशी की सड़क हादसे में हुई मौत, चालक गंभीर रूप से घायल

प्रकाश गदारी/राजस्थानः मेवाड़ क्षेत्र के प्रसिद्ध भजन गायक धनराज जी जोशी का आज एक मई को सुबह पाच बजे सड़क हादसे में आकस्मिक निधन हो गया है, यह दुखद हादसा हल्दीघाटी के सेमल गाँव में भजन संध्या कार्यक्रम कर लौटते समय हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार धनराज जी जोशी हल्दीघाटी के सेमल गाँव में आयोजित भजन संध्या कर लोट रहे थे, उनके साथ राजेंद्र सोनेरी थे। आज एक मई को सुबह करीब पाँच बजे दरौली और एयरपोर्ट के बीच गाड़ी अचानक अनियत्रत हो गई और पलट गई। इस दुर्घटना में धनराज जी की मौके पर ही मृत्यु हो गई हैं। हादसे में वाहन चालक राजेंद्र सोनेरी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए उदयपुर ले जाया गया जहाँ उनका इलाज जारी है। बताया जा रहा है की कार्यक्रम से लौटते समय धनराज जी का बेटा और अन्य साथी उदयपुर में पहले ही उतर गए थे, जिससे वह सुरक्षित बच गए। समाज के विभिन वर्गों एव कलाकारो और प्रसंकों ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की ईश्वर दिवगत आत्मा को शांति प्रदान करे और शोकाकुल परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति दे।

राहुल गांधी समेत कांग्रेस नेतृत्व का आभार, नफीस कुरैशी का किया जोरदार स्वागत

अबसार अहमद

उत्तर प्रदेशः भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जी कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद श्रीमती सोनिया गांधी जी नेता प्रतिपक्ष एवं सांसद माननीय श्री राहुल गांधी जी माननीय सांसद श्रीमती प्रियंका गांधी जी राज्यसभा सांसद श्री प्रमोद तिवारी जी विधायक श्रीमती मोना तिवारी जी माननीय प्रदेश अध्यक्ष श्री अजय राय जी अल्पसंख्यक कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद श्री इमरान प्रतापगढ़ी जी

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE
MINORITY DEPARTMENT

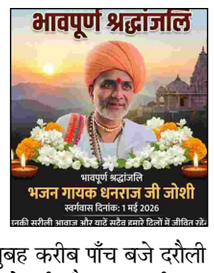

Mobile: 8271550001
E-Mail: jamalhassan.ajh1@gmail.com

DR. JAMAL HASSAN
National Coordinator
In-Charge West Bengal

24, AKBAR ROAD
NEW DELHI – 110011

Date-12- Apr 2026

Hon'ble Chairman All India Congress Committee Minority Department & Rajya Sabha M.P. Shri IMRAN PRATAPGARHI Ji has approved the following Assembly-wise observers for the West Bengal Assembly Election 2026.

Sl No.	Name & No of Ac	Name of the Observer	Mobile No.
01	FALTA-144	GURMEET SINGH	9896131050
02	BHAGWANGOLA-62	ABDUL KALAM AZAD	9389286630
03	COOCHBEHAR DAKSHIN-4	NAAZ KHAN	7905020337
04	RANINAGAR-63	MUSTAKEEM QURAISHI	9332460240
05	MURSHIDABAD-64	NAFEES QURAISHI	9336128153
06	KANDI-68	RIYAZ AHMAD	9721551084
07	BHARATPUR-69	ALTAMASH KHAN	8840056902
08	REJINAGAR-70	KAMAL ALI	9807055876
09	HARIHAR PARA-73	MD ZIYAUDDIN (RAHI)	9897275020
10	NOWDA-74	MD GULREZ AKHTAR ANSARI	9113430510
11	DOMKAL-75	GAZALI KHAN	9335147070
		MD ALTAMASH (CO-OBSERVER)	8840056902
12	JALANGI-76	MASWOOD ZAFAR	8252005200

अल्पसंख्यक कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं बंगाल के प्रभारी प्रवेज अख्तर अंसारी जी कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व एवं प्रदेश नेतृत्व का बहुत-बहुत आभार।

साथ ही शहर कांग्रेस कमेटी प्रयागराज के माननीय शहर अध्यक्ष श्री फुजैल हाशमी जी आईसीसी एवं पीसीसी सदस्य और वरिष्ठ पार्षद तस्लीमुद्दीन जी प्रतापगढ़ के क्वॉड्रिलैटरल माननीय श्री हरकेश त्रिपाठी जी शहर उपाध्यक्ष अनूप त्रिपाठी जी शहर उपाध्यक्ष प्रवेज सिद्दीकी जी शहर उपाध्यक्ष अफरोज अहमद जी प्रवक्ता हसीब अहमद जी प्रवक्ता शाहनवाज कुरैशी जी शहर महासचिव तबरे़ज अहमद जी प्रवक्ता तंजीम उद्दीन जी शहर महासचिव मोहम्मद हसीन जी अरशद अली अर्शी जी इन सभी एवं शहर कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए शहर महासचिव एवं बंगाल विधानसभा चुनाव में मुर्शिदाबाद विधानसभा 64 पर्यवेक्षक बनाए जाने पर नफीस कुरैशी जी का क्षेत्र की जनता एवं कार्यकताओं ने एक मिनारा मस्जिद एवं मंसूर अली पार्क पर जोरदार स्वागत किया। इसी दौरान नफीस कुरैशी ने राष्ट्रीय नेतृत्व एवं प्रदेश नेतृत्व और शहर कांग्रेस नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से संगठन एवं पार्टी के मजबूती के लिए इसी तरह कार्य करते रहेंगे।

सम्पादकीय

मतदान बढ़ने से उलझे समीकरण

पश्चिम बंगाल में भारी मतदान से यह तो तय हो चुका है कि मतदाता चुनाव का महत्व समझ चुका है। लेकिन इससे राजनीतिक दलों को हिसाब लगाने में पसीना बहाना पड़ रहा है। सबके गणित उलझ गए हैं। पहले चरण में 92 प्रतिशत मतदान जहाँ एक ओर राजनीतिक दलों के लिए चिंता की लकीर खींच रहा है, वहीं एक राजनीतिक लाभ देने का भी संकेत करने वाला भी कहा जा रहा है। इस बार के विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस और भाजपा ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी। भाजपा बहुत पहले से पश्चिम बंगाल में सरकार बनाने के लिए कदम उठा रही थी। पिछले विधानसभा और फिर लोकसभा चुनाव में जिस प्रकार से भाजपा ने अपना राजनीतिक प्रभाव जमाया है, वह किसी चमत्कार से कम नहीं माना जा सकता। यही आंकड़े तृणमूल कांग्रेस की सरकार के लिए खतरे की घंटी बजाते हुए दिखाई देने लगे हैं। ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि उनके सामने अपनी राजनीतिक साख बचाने की मजबूरी है। राजनीतिक आकलन किया जाए तो यह स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है कि ममता केवल और केवल पश्चिम बंगाल तक ही अपना राजनीतिक प्रभाव रखती हैं, अगर किसी कारण से पश्चिम बंगाल भी उनके हाथ से निकल जाता है, तो तृणमूल कांग्रेस को अपना जनाधार स्थापित करने के लिए बहुत संघर्ष करना पड़ेगा। हालांकि ममता बनर्जी की कार्यशैली को देखकर यह कोई नहीं कह सकता कि वह आसानी से पराजय स्वीकार कर लेंगी। सभी जानते हैं कि वह स्वयं मोर्चा संभाल लेती हैं। एसआईआर के मुद्दे पर हम सभी ने देखा ही है कि वे सर्वोच्च न्यायालय में भी खड़ी हो गई। एक प्रदेश के मुख्यमंत्री का इस तरह मजबूती के साथ खड़ा होने का यह पहला मामला है।

जहाँ तक पश्चिम बंगाल में भविष्य की सरकार बनाने की बात है तो भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के अपने अपने दावे हैं। यह बात भी सही है कि यह दोनों ही राजनीतिक दल मुख्य मुकाबले में हैं। भाजपा के लिए सबसे अच्छी बात यह है कि उसके राष्ट्रीय स्तर के नेताओं ने प्रभावी रूप से जनता के बीच उपस्थिति दर्ज करवाकर माहौल को अपने पक्ष में करने का भरपूर प्रयास किया, वहीं भाजपा के प्रादेशिक नेताओं ने भी जी तोड़ प्रयास किया। तृणमूल कांग्रेस की ओर से हर जगह ममता बनर्जी की जनसभाओं की ही मांग हो रही थी, जिसे ममता ने पूरा करने का भी प्रयास किया। मतदान प्रतिशत बढ़ने से भाजपा आशान्वित है, वहीं तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के चेहरे से मुस्कान गायब दिखाई दे रही है।

अभी पश्चिम बंगाल में प्रथम चरण का मतदान ही संपन्न हुआ है। बम्पर मतदान के बाद आम जनता में उत्साह की एक नई लहर का प्रादुर्भाव भी हुआ है। जिसके बाद यह भी संभव है कि दूसरे चरण में भी इसकी पुनरावृति होगी। अगर ऐसा होता है तो यह कहना भी तर्कसंगत ही होगा कि इस बार का मतदान बिना भय के संपन्न हो रहा है। पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव का इतिहास रक्तरंजित है। वामपंथी दलों के शासन से लेकर तृणमूल कांग्रेस की सरकार के समय हुए सभी चुनावों में हिंसा होती आई है, लेकिन इस बार के चुनावों में इस प्रकार दृश्य का दिखाई नहीं देना, चुनाव प्रबंधन की कुशलता ही मानी जाएगी।

उच्च शिक्षा में 'मार्केट फॉर लेमन्स'

-डॉ. प्रियंका सौरभ-

भारत में उच्च शिक्षा का तीव्र विस्तार अवसरों के साथ-साथ गंभीर चुनौतियाँ भी लेकर आया है। एक ओर विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और निजी शिक्षण संस्थानों की संख्या तेजी से बढ़ी है, वहीं दूसरी ओर गुणवत्ता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर लगातार प्रश्न उठ रहे हैं। ऐसे समय में अर्थशास्त्री जॉर्ज अकेलॉफ का ह्यमार्केट फॉर लेमन्सह्न सिद्धांत अत्यंत प्रासंगिक दिखाई देता है। इस सिद्धांत के अनुसार जब उपभोक्ता को किसी वस्तु की वास्तविक गुणवत्ता की सही जानकारी नहीं होती, तब निम्न गुणवत्ता वाले उत्पाद बाजार पर हावी हो जाते हैं और अच्छे उत्पाद पीछे हट जाते हैं। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थी उपभोक्ता हैं और संस्थान सेवा प्रदाता। जब विद्यार्थियों को संस्थानों की वास्तविक स्थिति, शिक्षकों की गुणवत्ता, रोजगार संभावनाओं, शोध कार्य और आधारभूत सुविधाओं की सही जानकारी नहीं मिलती, तब वे कमजोर संस्थानों में प्रवेश लेने को विवश हो जाते हैं।

भारत में उच्च शिक्षा का विस्तार मुख्य रूप से नीतिगत प्रयासों के कारण हुआ है। नई शिक्षा नीति ने उच्च शिक्षा में नामांकन बढ़ाने, दूरस्थ शिक्षा को प्रोत्साहन देने, ऑनलाइन शिक्षण को बढ़ावा देने और निजी निवेश को आकर्षित करने पर बल दिया। इससे शिक्षा तक पहुँच बढ़ी और अधिक विद्यार्थियों को अवसर मिला, परंतु संस्थानों की गुणवत्ता उसी गति से विकसित नहीं हो सकी। अनेक निजी संस्थान आकर्षक विज्ञापन, भव्य परिसर और बड़े-बड़े दावे करके विद्यार्थियों को अपनी ओर खींचते हैं, जबकि वास्तविकता में वहाँ योग्य शिक्षक, शोध वातावरण और रोजगारपरक शिक्षा का अभाव होता है। सरकारी आँकड़े भी अक्सर विलंब से आते हैं या सामान्य लोगों की समझ से परे जटिल रूप में उपलब्ध होते हैं। परिणामस्वरूप विद्यार्थी और अभिभावक सही निर्णय नहीं ले पाते। यही स्थिति निम्न गुणवत्ता वाले शिक्षा बाजार को जन्म देती है। इसी समस्या को दूर करने के लिए भारत सरकार ने राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग व्यवस्था प्रारंभ की। इसका उद्देश्य देश के उच्च शिक्षण संस्थानों का मूल्यांकन निश्चित मानकों के आधार पर करना है। इसमें शिक्षण व्यवस्था, संसाधन, शोध कार्य, स्नातक परिणाम, समावेशन और प्रतिष्ठा जैसे पहलुओं को देखा जाता है। इस व्यवस्था ने पहली बार विद्यार्थियों को एक ऐसा मंच दिया जहाँ वे विभिन्न संस्थानों की तुलनात्मक स्थिति जान सकते हैं। इससे संस्थानों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बढ़ी और अनेक महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों ने शिक्षकों की नियुक्ति, शोध प्रकाशनों, रोजगार सहायता केंद्रों और आधारभूत सुविधाओं में सुधार करना प्रारंभ किया। इस रैंकिंग व्यवस्था की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि उसने उच्च शिक्षा क्षेत्र में गुणवत्ता के संकेत उपलब्ध कराए। अब विद्यार्थी केवल विज्ञापनों या प्रचार सामग्री पर निर्भर नहीं रहते, बल्कि संस्थान की स्थिति, शोध प्रदर्शन, परीक्षा परिणाम और समावेशन जैसी जानकारियों को देखकर निर्णय ले सकते हैं। इससे सूचना के अभाव की समस्या में कुछ कमी आई है। सरकार के लिए भी यह एक महत्त्वपूर्ण नीति उपकरण सिद्ध हुआ है, जिसके माध्यम से विभिन्न संस्थानों की स्थिति का तुलनात्मक अध्ययन संभव हुआ है।

फिर भी यह व्यवस्था पूर्ण समाधान नहीं है। इसकी सबसे बड़ी सीमा यह है कि यह काफी हद तक संस्थानों द्वारा स्वयं दिए गए आँकड़ों पर आधारित रहती है। यदि कोई संस्थान गलत या बढ़ा-चढ़ाकर जानकारी दे, तो रैंकिंग की विश्वसनीयता प्रभावित होती है। दूसरा, शोध कार्य को अधिक महत्व मिलने से वे महाविद्यालय पीछे रह जाते हैं जो मुख्य रूप से शिक्षण पर केंद्रित हैं। तीसरा, ग्रामीण क्षेत्रों या नवस्थापित संस्थानों के लिए बड़े और पुराने शहरी संस्थानों से प्रतिस्पर्धा करना कठिन हो जाता है। चौथा, रैंकिंग वर्ष में एक बार आती है, जबकि विद्यार्थियों को कई बार वास्तविक समय की जानकारी की आवश्यकता होती है। पाँचवाँ, देश के विशाल उच्च शिक्षा ढाँचे की तुलना में सीमित संस्थान ही प्रमुखता से सामने आते हैं, जिससे अनेक संस्थान पारदर्शी मूल्यांकन से बाहर रह जाते हैं। विश्व स्तर पर विभिन्न देशों में विश्वविद्यालयों की रैंकिंग के लिए ऐसे मॉडल अपनाए जाते हैं जिनमें पूर्व छात्रों की संतुष्टि, अंतरराष्ट्रीय पहचान, नियोक्ताओं की राय, शोध प्रभाव और वैश्विक सहयोग जैसे पहलुओं को भी महत्व दिया जाता है। भारत भी अपनी व्यवस्था को अधिक व्यापक और बहुआयामी बनाकर इन अनुभवों से सीख सकता है। विद्यार्थियों के हितों की रक्षा के लिए कुछ ठोस सुधार आवश्यक हैं। सबसे पहले, संस्थानों द्वारा दिए गए आँकड़ों का स्वतंत्र एजेंसियों से सत्यापन कराया जाए, ताकि गलत जानकारी देने की प्रवृत्ति समाप्त हो।

-निर्मल रानी-

तपती धरती:कारण और समाधान

> पिछले दिनों भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा हीटवेव अलर्ट भी जारी किया जा चुका है। मौसम विभाग ने अपनी चेतावनी में लू चलने और तापमान में 4 डिग्री तक बढ़ोतरी होने की संभावना को लेकर लोगों को सचेत किया है। पिछले कुछ वर्षों से लगभग हर साल गर्मी के तापमान में इजाफा होता ही जा रहा है। जीवन के लिये एकमात्र ग्रह पृथ्वी गत दो दशकों से ग्लोबल वार्मिंग का निरन्तर प्रभाव झेल रही है। इसके अलावा भी वैज्ञानिकों द्वारा भारत में तेज गर्मी के और भी कई कई कारण बताये जा रहे हैं। इन कारणों में खासकर जलवायु परिवर्तन के अलावा हीट डोम और अल नीनो प्रभाव को रेखांकित किया जा रहा है।

उत्तर भारत के पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा व प. बंगाल जैसे राज्य इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में हैं। इन राज्यों में कई जगहों पर तापमान 40 डिग्री से लेकर 44 डिग्री तक पहुंच गया है। पिछले दिनों भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा हीटवेव अलर्ट भी जारी किया जा चुका है। मौसम विभाग ने अपनी चेतावनी में लू चलने और तापमान में 4 डिग्री तक बढ़ोतरी होने की संभावना को लेकर लोगों को सचेत किया है। पिछले कुछ वर्षों से लगभग हर साल गर्मी के तापमान में इजाफा होता ही जा रहा है। जीवन के लिये एकमात्र ग्रह पृथ्वी गत दो दशकों से ग्लोबल वार्मिंग का निरन्तर प्रभाव झेल रही है। इसके अलावा भी वैज्ञानिकों द्वारा भारत में तेज गर्मी के और भी कई कई कारण बताये जा रहे हैं। इन कारणों में खासकर जलवायु परिवर्तन के अलावा हीट डोम और अल नीनो प्रभाव को रेखांकित किया जा रहा है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार उच्च दबाव प्रणाली गर्म हवा को जमीन के पास फंसाकर 'ढक्कन' की तरह काम करती है, जिससे तापमान तेजी से बढ़ता है। परिणाम स्वरूप कम्प्रेशन हीटिंग से गर्मी और तीव्र हो जाती है। उधर पहले से हो रहा जलवायु परिवर्तन, सूखी मिट्टी और कम वनस्पति (वृक्ष कटान) इसे बढ़ावा देते हैं। इसी को हीट डोम प्रभाव कहा जाता है।

इसके अतिरिक्त ग्रीनहाउस गैसों से वैश्विक तापमान बढ़ रहा है। इसने हीटवेव की तीव्रता और इसकी अवधि दोनों को ही बढ़ा दिया है। बताया जा रहा है कि 2026 में दुनिया के 100 सबसे गर्म शहरों में 92 शहर केवल भारत में हैं। इन गर्म क्षेत्रों में केवल दिन ही नहीं बल्कि यहां की रातें भी गर्म रहती हैं। इसे 'सीवियर वार्म नाइट' कहते हैं। यह स्थिति जलवायु परिवर्तन का ही नतीजा है। साथ ही इस हीट वेव पर अल नीनो का प्रभाव भी बताया जा रहा है। आशंका व्यक्त की जा रही है कि 2026 में सुपर अल नीनो की आशंका से रिकॉर्ड गर्मी पड़ना भी संभव है। अल नीनो का प्रभाव ही प्रशांत महासागर में गर्म पानी का दौर हवाओं को कमजोर कर भारत में गर्मी और कम मानसून लाता है। इसी के साथ गर्मी को बढ़ने में अनियंत्रित शहरीकरण की भी बड़ी भूमिका है। देश में चारों ओर खेत व जंगल वृक्ष निरन्तर कम होते जा रहे हैं। और शहरीकरण के नाम पर कंक्रीट के जंगल बढ़ते जा रहे हैं।

लिहाजा 'अर्बन हीट आइलैंड' का प्रभाव और कंक्रीट-आधारित विकास इसके लिए खासकर जिम्मेदार हैं। यह कंक्रीट के जंगल दिन में गर्मी को सोखते हैं और रात में इसे छोड़ते हैं। उधर शहरों में होती जा रही पेड़-पौधों की कमी से वातावरण में नमी घटती जा रही है। यही वजह है कि दिल्ली व अहमदाबाद जैसे महानगरों में रातें पूर्व की तुलना में 60% अधिक गर्म होने लगी हैं। शहरों में कंक्रीट, डामर और सीमेंट की पक्की इमारतें सूर्य की गर्मी सोख लेती हैं तथा रात में धीरे-धीरे छोड़ती हैं, जिससे तापमान ग्रामीण क्षेत्रों से 5-10 डिग्री अधिक रहता है। पेड़-पौधों और हरियाली की कमी से वाष्पीकरण घटता है, जो प्राकृतिक शीतलन प्रदान करता। साथ ही वाहनों, एसी और उद्योगों से निकलने वाली गर्मी इसे और भी तीव्र बनाती है। गोया भारतीय शहरों में बढ़ता शहरीकरण बढ़ते तापमान के लिये 60% तक जिम्मेदार है। और यही तापमान वृद्धि प्रति दशक 0.2 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि करता है। शहरीकरण ने गर्मी में 90% इजाफा किया है तथा रात्रिकालीन सतह तापमान लगभग 70-80% तक बढ़ा है। मिसाल के तौर पर जमशेदपुर में शहरीकरण ने तापमान वृद्धि में 100% योगदान दिया।

ऐसे में सबसे ज्वलंत प्रश्न यही है कि आखिर तापमान वृद्धि की जिम्मेदार हमारी वर्तमान पीढ़ी क्या अपनी आने वाली नस्लों को भी ऐसी ही या इससे भी अधिक तपती पृथ्वी देकर जायेगी या इससे बचने के कुछ उपाय करना चाहेगी? इसके लिये सबसे पहले भारतीय शहरों में हरित आवरण को विस्तार देने की सख़्त जरूरत है। हालाँकि इसके लिये अनेक सरकारी योजनाएं व स्थानीय उपाय प्रभावी हैं जोकि शहरी गर्मी कम करने में हमारी सहायता करते हैं। इसके लिये बाकायदा कार्य योजना बनाकर तथा वर्षाऋतु के आरंभ से ही सरकारी और नगर निकाय भूमि पर बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाये जा सकते हैं। कई राज्य इस दिशा में सक्रियता से काम भी कर रहे हैं। वृक्षारोपण को एक आंदोलन का रूप देने के लिये हर व्यक्ति अपने परिवार के शादी ब्याह, मैरिज एनिवर्सरी, बर्थडे, जन्म मृत्यु बरसी जैसे अवसरों पर वृक्षारोपण कर इन अवसरों को यादगार बनाने के साथ साथ जलवायु को बेहतर बनाने की दिशा में भी अपना कीमती योगदान दे सकता है। इसके अलावा हर व्यक्ति जहां जमीन कम हो वहां अपने घरों की छतों पर रूफ गार्डनिंग कर सकता है और वर्टिकल गार्डन भी लगा सकते हैं। अपने घरों के खुले क्षेत्र में अधिक से अधिक गमले लगाकर भी तापमान को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है तथा ताजी ऑक्सीजन प्राप्त की जा सकती है। गौरतलब है कि कोरोना काल में जब देशभर में अचानक कोरोना प्रभावित लोगों के लिये ऑक्सीजन की कमी पैदा हुई थी उस समय लोगों को हरियाली और वृक्षारोपण की खूब याद आई थी। कई बीमार लोग तो खेतों में पेड़ों के नीचे बैठकर स्वास्थ्य लाभ लेते देखे गये। इस आपदा ने ऑक्सीजन को लेकर लोगों में इतनी जागरूकता बढ़ायी कि उसी समय से गमलों व पौधों की नर्सरी का व्यवसाय कई गुना बढ़ गया।

बहरहाल भविष्य में तापमान वृद्धि से बचने व इसके दीर्घकालिक उपाय करने के साथ साथ तात्कालिक रूप से शरीर पर पड़ने वाले इसके दुष्प्रभाव से बचाव करना भी बेहद जरूरी है। इसके लिए सबसे पहले अपने शरीर को डिहाइड्रेशन से बचाना और शरीर को हाइड्रेटेड रखना सबसे जरूरी है। इसके लिये बहुत सारा पानी पीना चाहिये और बार बार पीना चाहिए। इसके अलावा नारियल पानी, नींबू पानी, सत्तू व ओआरएस जैसे शीतल पेय भी शरीर के तापमान को नियंत्रित रखने में मददगार होते हैं और डिहाइड्रेशन रोकते हैं। जीरा, धनिया या खस मिला ठंडा पानी भी इसके लिये बहुत फायदेमंद है। इसके साथ ही अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से भी बचना चाहिये। इसके साथ ही घरों में पर्दे, सनशेड आदि लगाकर धुप को रोका जा सकता है। रात के समय खिड़कियां खुली रखने, पंखा चलने व आवश्यकता हो तो गीले कपड़े पहनने या ठन्डे पानी से नहाने व पैरों को ठन्डे पानी में भिगोकर रखने से भी प्रचंड गर्मी से राहत पाई जा सकती है। इस मौसम में आहार में भी सावधानियां बरतने की जरुरत है। हल्का व पौष्टिक भोजन लेना चाहिये। जंक फूड को तो पूरी तरह नजरअंदाज करना चाहिए। इसप्रकार से धरती के इस बढ़ते तापमान का हम किसी हद तक मुकाबला कर सकते हैं।

— सर्वमित्रा सुरजन

प्राइम मक्खन और कंधों पर कंकाल वाला भारत

2024 के चुनाव में भाजपा ने ओडिशा पर शासन करने में सफलता हासिल कर ली थी। जो बीजू जनतादल लगातार एनडीए का हिस्सा बना रहा, वो मोदी के दौर में अलग हो गया और ओडिशा में उसी की सत्ता भाजपा ने खत्म कर दी। लोगों से यही वादा किया गया कि बीमारू राज्यों की श्रेणी में शामिल ओडिशा में अब विकास होगा। लेकिन यहां लगातार प्रताड़ना की खबरें आ रही हैं।

श की ताजा घटनाओं पर दो अलग-अलग तरह के कैरिकेचर देखने मिले। अमूल मक्खन के विज्ञापन में इस बार फुटबॉल खिलाड़ी बने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दशार्ते हुए लिखा गया है सेंटर के फॉरवर्ड, अमूल प्राइम मक्खन। पाठक जानते हैं कि फुटबॉल के खेल में सेंटर-फॉरवर्ड की स्थिति पर खेल रहे खिलाड़ी की भूमिका सबसे अहम होती है। सेंटर फॉरवर्ड विरोधी टीम के गोल के सबसे पास यानी केंद्रीय स्थिति में खेलने वाला मुख्य हमलावर होता है। उसकी प्राथमिक भूमिका गोल करना है। एक कुशल सेंटर-फॉरवर्ड न केवल गोल दागेगा, बल्कि गेंद को अपने पास रख कर अपने बाकी साथियों के लिए अवसर बनाकर विपक्षी रक्षा पंक्ति को पूरी तरह व्यस्त रखता है। तो अमूल के हिसाब से नरेन्द्र मोदी इस समय ऐसे ही गोल के पास खड़े हैं, बल्कि गोल दाग भी रहे हैं और विपक्ष को हैरान-परेशान कर रहे हैं। सेंटर के फॉरवर्ड की मुख्य पंक्ति के साथ नीचे अमूल ने लिखा है- अमूल प्राइम मक्खन। अब पाठक इसका भी विश्लेषण अपनी-अपनी तरह से कर सकते हैं। पीएम मोदी को फुटबॉल में अहम भूमिका में खेलने वाला बताकर क्या कंपनी ने प्राइम मक्खन लगाया है यानी हद दर्जे की चाटुकारिता दिखाई है या फिर तंज कसा है। अमूल का मकसद जो भी रहा हो, लेकिन इस बहाने मोदी का फु टबॉल खेलना फिर से चर्चा में आ गया। हालांकि पिछले पांच दिनों में केवल फुटबॉल खेलने का वीडियो प्रधानमंत्री ने नहीं बनवाया है, बल्कि खाली समय बिताने के लिए और भी बहुत कुछ किया है।

प.बंगाल में चुनावी रैली में टीएमसी और कांग्रेस को कोसते-कोसते प्रधानमंत्री थक गए तो हुगली नदी पर नौकाविहार करने चले गए। अपना कैमरा भी साथ ले गए। उनकी शूटिंग टीम ने उन्हें तस्वीरें उतारते हुए अपने कैमरों में उतारा। एक पुराना गीत है- सुनयना, आज इन नजारों को तुम देखो और मैं तुम्हें देखते हुए देखूं। बस इसी भाव के साथ मोदीजी की वीडियो कैमरा टीम ने उनका वीडियो बनाया है। प.बंगाल से मोदी सिक्किम पहुंचे, वहां गंगटोक में रोड शो हुआ, तो फिर वीडियो बना। इसके बाद युवा खिलाड़ियों के साथ साहब ने फुटबॉल भी खेला, वो भी बाकायदा फुटबॉल खिलाड़ियों की पोशाक में। इसका भी वीडियो बना। फुटबॉल खेलते हुए तो अखिलेश यादव, राहुल गांधी के भी वीडियो बने हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें तामझाम की जरूरत नहीं पड़ी। अखिलेश यादव के कुर्ते पायजामा में ही फुटबॉल खेलते कई वीडियो हैं। जब वो मैसूर में कॉलेज में पढ़ते थे, तभी फुटबॉल खेलते हुए ही उनकी नाक में फैक्चर हुआ था। इसी तरह राहुल गांधी भी कई बार युवाओं या बच्चों के साथ फुटबॉल खेलते देखे गए हैं। उन्हें भी कॉलेज के दिनों में फुटबॉल खेलते समय घुटने में गंभीर चोट लगी थी, जिसका ऑपरेशन हुआ और लंबे समय तक फिजियोथेरेपी चली। यह पुरानी चोट भारत जोड़ो यात्रा के दौरान फिर से उभर आई थी, जिससे उन्हें दर्द और चलने में परेशानी हुई। अफसोस कि मोदीजी ऐसी किसी चोट से अपना रिश्ता नहीं जोड़ सकेंगे, क्योंकि नहीं पता कि उन्होंने कॉलेज के दिनों में क्या पढ़ाई की और कौन से खेल खेले? लेकिन अब फुटबॉल खेलकर उन्होंने अपनी इस कसक को भी पूरा कर लिया है, बस किसी चोट का जिक्र नहीं है। वैसे उनके शासन में जनता को ही खूब चोटें मिली हैं और उसे मलहम भी खुद ही लगाना पड़ रहा है। दूसरा कैरिकेचर इसी से जुड़ा है। उसका वर्णन आगे होगा। फिलहाल मोदीजी का फुटबॉल खेलना प.बंगाल चुनाव के बीच सोची समझी रणनीति दिखती है।

क्योंकि बंगाल के लोगों की फु टबॉल के प्रति दीवानगी जगजाहिर है। यहां के मैदान में ममता बनर्जी ने फुटबॉल को किक मारते हुए पिछले चुनावों में कहा था खेला होबे और वाकई तब भाजपा के साथ खेल हो गया था। उसे हार का सामना करना पड़ा था। अब किक मोदीजी ने मारी है, तो देखना होगा कि खेल हुआ या नहीं। हालांकि गंगटोक में फुटबॉल खेलने पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी को कांग्रेस ने याद दिलाया कि पास में ही मणिपुर भी है, जो फिर से हिंसा से ग्रस्त है और वहां के बच्चे, युवा भी फुटबॉल खेलना पसंद करते हैं। हिंसा के कारण राहत शिविरों में रह रहे बच्चों के लिए राहुल गांधी ने फुटबॉल भी भिजवाई है। तो प्रधानमंत्री चाहते तो सिक्किम के बाद मणिपुर जाते, वहां भले फुटबॉल नहीं खेलते, लेकिन कम से कम हालात का जायजा लेते तो पुलिस प्रशासन को भी बल मिलता और लोगों को राहत की उम्मीद बंधती। लेकिन प्रधानमंत्री सिक्किम से उत्तरप्रदेश में अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी चले गए। गृहमंत्री अमित शाह भी 27 तारीख तक प.बंगाल में ही थे, वे भी मणिपुर नहीं गए। बल्कि गुजरात चले गए। इन दोनों की प्राथमिकता केवल चुनाव जीतना और भाजपाशासित राज्यों की गिनती बढ़ाना है। उसके बाद राज्यों में चाहे लोग कंकाल ढोने पर मजबूर हो जाएं, इन्हें फर्क नहीं पड़ता।

2024 के चुनाव में भाजपा ने ओडिशा पर शासन करने में सफलता हासिल कर ली थी। जो बीजू जनतादल लगातार एनडीए का हिस्सा बना रहा, वो मोदी के दौर में अलग हो गया और ओडिशा में उसी की सत्ता भाजपा ने खत्म कर दी। लोगों से यही वादा किया गया कि बीमारू राज्यों की श्रेणी में शामिल ओडिशा में अब विकास होगा। लेकिन यहां लगातार प्रताड़ना की खबरें आ रही हैं। लड़कियों की असुरक्षा, सांप्रदायिक तनाव, आदिवासी उत्पीड़न, विकास के नाम पर जंगलों का काटना यह सब तो लगातार हो ही रहा है, लेकिन अब एक ऐसा वीडियो सामने आया जो आत्मनिर्भर, विकसित भारत के मुंह पर करारा तमाचा है। देश ने कई बार बीमार परिजन को कंधे पर ढोकर अस्पताल ले जाते देखा है, कंधों पर या ठेलों पर अपने प्रियजन की लाश ले जाने के मार्मिक दृश्य भी सामने आए हैं, क्योंकि गरीब को एंबुलेंस नहीं मिलती। लेकिन एक बूढ़े व्यक्ति को कब्र से अपनी बहन का कंकाल निकालकर कंधे पर ढोना पड़े, ताकि वो बैंक में यह दिखा सके कि देखो ये मर चुकी है, तो इसकी मार्मिकता, हालात की भयावहता, प्रशासन की सूखती संवेदना, सरकारों की निष्ठुरता को किन शब्दों में बयां किया जाए। इस दृश्य के लिए शब्द चूक गए लेकिन टाइम्स ऑफ इंडिया के कार्टूनिस्ट संदीप अध्वर्यू ने इस पर एक सटीक कैरिकेचर बनाया है। जिसमें अर्द्धनग्न आदिवासी के कंधे पर उसकी बहन का कंकाल है और लिखा है कि- ओडिशा में बैंक ने दावे को खारिज किया तो अपनी बहन के कंकाल को कंधे पर ले जाता शख्स। इसके नीचे के वाय सी लिखकर उसका विस्तार बताया गया है- नो योअर कॉर्प्स यानी अपने शव को पहचानो। जबकि बैंकिंग शब्दावली में के वाय सी का मतलब होता है, नो योअर कस्टमर। इसके नीचे एक और मारक लाइन लिखी है कि फाइनेंशियल इंक्लूजन का आखिरी पड़ाव। फाइनेंशियल इंक्लूजन यानी वित्तीय समावेशन का अर्थ समाज के कमजोर, वंचित और ग्रामीण वर्गों को सस्ती, सुलभ और जिम्मेदार बैंकिंग व वित्तीय सेवाएं (जैसे खाता, ऋण, बीमा, पेंशन) प्रदान करना है। इसका मुख्य उद्देश्य गरीब आबादी को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली से जोड़कर, उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और साहूकारों के चंगुल से बचाना है।

भाजपा की सरकार में किस तरह वित्तीय समावेशन किया जा रहा है, उसकी पोल ओडिशा की इस घटना ने खोल दी है। दरअसल क्योंझर जिले में 52 बरस से जीतू मुंडा अपनी बहन की मौत के बाद उसके ग्रामीण बैंक खाते से 19,300 रुपये निकालना चाहते थे। उन्होंने बैंक मैनेजर को कई बार बताया कि दो महीने पहले उनकी बहन की मौत हो चुकी है।

-डॉ. प्रियंका सौरभ

उच्च शिक्षा में 'मार्केट फॉर लेमन्स'

भारत में उच्च शिक्षा का तीव्र विस्तार अवसरों के साथ-साथ गंभीर चुनौतियाँ भी लेकर आया है। एक ओर विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और निजी शिक्षण संस्थानों की संख्या तेजी से बढ़ी है, वहीं दूसरी ओर गुणवत्ता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर लगातार प्रश्न उठ रहे हैं। ऐसे समय में अर्थशास्त्री जॉर्ज अकेलॉफ का ह्यमार्केट फॉर लेमन्सह्न सिद्धांत अत्यंत प्रासंगिक दिखाई देता है। इस सिद्धांत के अनुसार जब उपभोक्ता को किसी वस्तु की वास्तविक गुणवत्ता की सही जानकारी नहीं होती, तब निम्न गुणवत्ता वाले उत्पाद बाजार पर हावी हो जाते हैं और अच्छे उत्पाद पीछे हट जाते हैं। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थी उपभोक्ता हैं और संस्थान सेवा प्रदाता। जब विद्यार्थियों को संस्थानों की वास्तविक स्थिति, शिक्षकों की गुणवत्ता, रोजगार संभावनाओं, शोध कार्य और आधारभूत सुविधाओं की सही जानकारी नहीं मिलती, तब वे कमजोर संस्थानों में प्रवेश लेने को विवश हो जाते हैं।

भारत में उच्च शिक्षा का विस्तार मुख्य रूप से नीतिगत प्रयासों के कारण हुआ है। नई शिक्षा नीति ने उच्च शिक्षा में नामांकन बढ़ाने, दूरस्थ शिक्षा को प्रोत्साहन देने, ऑनलाइन शिक्षण को बढ़ावा देने और निजी निवेश को आकर्षित करने पर बल दिया। इससे शिक्षा तक पहुँच बढ़ी और अधिक विद्यार्थियों को अवसर मिला, परंतु संस्थानों की गुणवत्ता उसी गति से विकसित नहीं हो सकी। अनेक निजी संस्थान आकर्षक विज्ञापन, भव्य परिसर और बड़े-बड़े दावे करके विद्यार्थियों को अपनी ओर खींचते हैं, जबकि वास्तविकता में वहाँ योग्य शिक्षक, शोध वातावरण और रोजगारपरक शिक्षा का अभाव होता है। सरकारी आँकड़े भी अक्सर विलंब से आते हैं या सामान्य लोगों की समझ से परे जटिल रूप में उपलब्ध होते हैं। परिणामस्वरूप विद्यार्थी और अभिभावक सही निर्णय नहीं ले पाते। यही स्थिति निम्न गुणवत्ता वाले शिक्षा बाजार को जन्म देती है।

इसी समस्या को दूर करने के लिए भारत सरकार ने राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग व्यवस्था प्रारंभ की। इसका उद्देश्य देश के उच्च शिक्षण संस्थानों का मूल्यांकन निश्चित मानकों के आधार पर करना है। इसमें शिक्षण व्यवस्था, संसाधन, शोध कार्य, स्नातक परिणाम, समावेशन और प्रतिष्ठा जैसे पहलुओं को देखा जाता है। इस व्यवस्था ने पहली बार विद्यार्थियों को एक ऐसा मंच दिया जहाँ वे विभिन्न संस्थानों की तुलनात्मक स्थिति जान सकते हैं। इससे संस्थानों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बढ़ी और अनेक महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों ने शिक्षकों की नियुक्ति, शोध प्रकाशनों, रोजगार सहायता केंद्रों और आधारभूत सुविधाओं में सुधार करना प्रारंभ किया। इस रैंकिंग व्यवस्था की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि उसने उच्च शिक्षा क्षेत्र में गुणवत्ता के संकेत उपलब्ध कराए। अब विद्यार्थी केवल विज्ञापनों या प्रचार सामग्री पर निर्भर नहीं रहते, बल्कि संस्थान की स्थिति, शोध प्रदर्शन, परीक्षा परिणाम और समावेशन जैसी जानकारियों को देखकर निर्णय ले सकते हैं। इससे सूचना के अभाव की समस्या में कुछ कमी आई है। सरकार के लिए भी यह एक महत्त्वपूर्ण नीति उपकरण सिद्ध हुआ है, जिसके माध्यम से विभिन्न संस्थानों की स्थिति का तुलनात्मक अध्ययन संभव हुआ है।

फिर भी यह व्यवस्था पूर्ण समाधान नहीं है। इसकी सबसे बड़ी सीमा यह है कि यह काफी हद तक संस्थानों द्वारा स्वयं दिए गए आँकड़ों पर आधारित रहती है। यदि कोई संस्थान गलत या बढ़ा-चढ़ाकर जानकारी दे, तो रैंकिंग की विश्वसनीयता प्रभावित होती है। दूसरा, शोध कार्य को अधिक महत्व मिलने से वे महाविद्यालय पीछे रह जाते हैं जो मुख्य रूप से शिक्षण पर केंद्रित हैं। तीसरा, ग्रामीण क्षेत्रों या नवस्थापित संस्थानों के लिए बड़े और पुराने शहरी संस्थानों से प्रतिस्पर्धा करना कठिन हो जाता है। चौथा, रैंकिंग वर्ष में एक बार आती है, जबकि विद्यार्थियों को कई बार वास्तविक समय की जानकारी की आवश्यकता होती है। पाँचवाँ, देश के विशाल उच्च शिक्षा ढाँचे की तुलना में सीमित संस्थान ही प्रमुखता से सामने आते हैं, जिससे अनेक संस्थान पारदर्शी मूल्यांकन से बाहर रह जाते हैं।

विश्व स्तर पर विभिन्न देशों में विश्वविद्यालयों की रैंकिंग के लिए ऐसे मॉडल अपनाए जाते हैं जिनमें पूर्व छात्रों की संतुष्टि, अंतरराष्ट्रीय पहचान, नियोक्ताओं की राय, शोध प्रभाव और वैश्विक सहयोग जैसे पहलुओं को भी महत्व दिया जाता है। भारत भी अपनी व्यवस्था को अधिक व्यापक और बहुआयामी बनाकर इन अनुभवों से सीख सकता है।

विद्यार्थियों के हितों की रक्षा के लिए कुछ ठोस सुधार आवश्यक हैं। सबसे पहले, संस्थानों द्वारा दिए गए आँकड़ों का स्वतंत्र एजेंसियों से सत्यापन कराया जाए, ताकि गलत जानकारी देने की प्रवृत्ति समाप्त हो। दूसरा, शिक्षण गुणवत्ता, छात्र-शिक्षक अनुपात, रोजगार उपलब्धता और शुल्क के मुकाबले लाभ को अधिक महत्व दिया जाए। तीसरा, केवल क्रम संख्या देने के स्थान पर समूह आधारित श्रेणी व्यवस्था अपनाई जाए, जिससे छोटे और उभरते संस्थानों को भी सम्मानजनक स्थान मिल सके। चौथा, एक केंद्रीकृत डिजिटल मंच विकसित किया जाए जहाँ प्रत्येक संस्थान की अद्यतन जानकारी उपलब्ध हो। पाँचवाँ, राज्य स्तर और क्षेत्रीय स्तर पर भी रैंकिंग तैयार की जाए, ताकि स्थानीय विद्यार्थियों को अपने आसपास बेहतर विकल्प मिल सकें।

छठा, विद्यार्थियों और अभिभावकों की प्रतिक्रिया को भी मूल्यांकन प्रक्रिया का हिस्सा बनाया जाए।

अंततः उच्च शिक्षा केवल संस्थानों की संख्या बढ़ाने का विषय नहीं है, बल्कि गुणवत्ता, विश्वास और समान अवसर का प्रश्न है। यदि पारदर्शिता का अभाव रहेगा तो विद्यार्थी निम्न स्तर के संस्थानों के जाल में फँसते रहेंगे और उनका भविष्य प्रभावित होगा। राष्ट्रीय रैंकिंग व्यवस्था ने सकारात्मक शुरूआत अवश्य की है, किंतु इसे अधिक स्वतंत्र, विश्वसनीय और विद्यार्थी-केंद्रित बनाना समय की आवश्यकता है। जब सही जानकारी, प्रभावी नियमन और गुणवत्तापूर्ण संस्थान एक साथ सामने आएँगे, तभी भारत वास्तव में ज्ञान आधारित विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ सकेगा।

एडीसी लक्षित सरीन के सख्त निर्देश, शिकायतों का तय समय में निपटारा अनिवार्य

राममेहर

हरियाणाः हांसी अतिरिक्त उपायुक्त एडीसी लक्षित सरीन ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि समाधान शिविरों में प्राप्त होने वाली सभी शिकायतों पर प्राथमिकता के आधार पर त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की जाए तथा प्रत्येक शिकायत की एक्शन टेकन रिपोर्ट निर्धारित समय सीमा में पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड की जाए। एडीसी लक्षित सरीन की अध्यक्षता में बुधवार को स्थानीय पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में समाधान प्रकोष्ठ की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने विभिन्न विभागों से संबंधित लंबित शिकायतों की विस्तार से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आमजन की

समस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। इसलिए सभी अधिकारी इन शिविरों में प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लें और उनका शीघ्र निवारण करें।

एडीसी ने स्पष्ट किया कि कोर्ट में लंबित मामले, विकास कार्यों के लिए मांग, कर्मचारियों से संबंधित सेवा मामले, आरटीआई आवेदन, स्थानांतरण प्रार्थनाएं तथा रोजगार संबंधी मांगें समाधान प्रकोष्ठ के दायरे में नहीं आती हैं। अतः इन मामलों को अलग प्रक्रिया के तहत निपटाया जाए। बैठक के दौरान एडीसी ने विभागवार लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से देरी के कारणों की जानकारी ली और प्रत्येक शिकायत के समाधान के लिए समय सीमा निर्धारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्धारित समयावधि के भीतर सभी मामलों का निपटारा सुनिश्चित किया जाए और इसकी रिपोर्ट पोर्टल पर अपडेट की जाए। एडीसी लक्षित सरीन ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि वे समाधान शिविरों में प्राप्त शिकायतों की नियमित मॉनिटरिंग करें और यह सुनिश्चित करें कि कोई भी शिकायत लंबित न रहे। उन्होंने जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के लिए जिम्मेदारी और जवाबदेही के साथ कार्य करने पर बल दिया। इस अवसर पर एसडीएम राजेश खोथ, उप पुलिस अधीक्षक विनोद शंकर, नायब तहसीलदार सुरेश कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

विजय पर्व पर पुष्कर सिंह धामी ने सराहा डायरेक्ट सेलिंग मॉडल

बाबूभाई सगथाजी ठाकोर

हरियाणाः मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि एडब्लूपीएल जैसे संस्थान डायरेक्ट सेलिंग के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण स्वदेशी उत्पादों को सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा यह मॉडल न केवल लाखों लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त बना रहा है, बल्कि उनके व्यक्तित्व और क्षमताओं को निखारने का भी अवसर दे रहा है। उन्होंने एडब्लूपीएल के प्रबंध निदेशक डॉ. संजीव कुमार और उनकी टीम को इस सफल आयोजन के लिए बधाई दी। मातृशक्ति और युवाओं पर विशेष जोरः सीएम धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की महिलाएं और युवा आर्थिक मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं। कहा आज महिलाएं मजबूती से समाज में पहचान बना रही हैं।

गुरुग्राम में रविवार को आयोजित विजय पर्व कार्यक्रम में एक साथ एक लाख लोगों द्वारा हनुमान चालीसा पाठ का रिकॉर्ड बनने पर वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड के द्वारा उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी और हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी को सर्टिफिकेट सौंपा गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड के विकास के आंकड़ों को भी मजबूती से रखा। उन्होंने बताया ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट 2023 के दौरान 3.56 लाख करोड़ रुपये के निवेश समझौते हुए, जिनमें से एक लाख करोड़ रुपये के प्रस्ताव धरातल पर उतर चुके हैं। उन्होंने बताया कि वोकल फॉर लोकल और लोकल टू ग्लोबल के मंत्र को साकार करने के लिए हाउस ऑफ हिमालयाज ब्रांड लांच किया गया है।

टेंट लगाकर शराब बिक्री पर विवाद, सील दुकान के बाद अस्थायी संचालन से उठे सवाल

राजपूत रणजीत

गुजरातः सतना में शराब दुकान संचालन को लेकर नया विवाद सामने आया है। आबकारी विभाग द्वारा सील की गई एक वाइन शॉप के ठेकेदार ने अब उचेहरा रोड पर टेंट लगाकर शराब और बीयर की बिक्री शुरू कर दी है। इस अस्थायी व्यवस्था को लेकर नियमों और सुरक्षा मानकों पर सवाल उठ रहे हैं। जानकारी के अनुसार, नागौद सर्किल के अंतर्गत अमरपाटन और मैहर तिराहा क्षेत्र में योगेश तिवारी ठेका फर्म द्वारा दुकान निर्धारित स्थान के बजाय गलत लोकेशन पर संचालित की जा रही थी। नोटिस के बावजूद पालन न होने पर आबकारी विभाग ने दुकान को सील कर दिया था। आबकारी अधिकारियों के अनुसार वित्त वर्ष 2026-27 के लिए दुकान का निर्धारित स्थान तिघरा मोड़ के आगे तय किया गया था, लेकिन उसका पालन नहीं किया गया।

दुकान सील होने के बाद ठेकेदार ने उचेहरा रोड पर टेंट लगाकर शराब और बीयर की अस्थायी बिक्री शुरू कर दी। इससे स्थानीय स्तर पर विवाद खड़ा हो गया है। सहायक जिला आबकारी अधिकारी (अऊएड) शबनम खान ने बताया कि फर्म के पास वैध लाइसेंस है और नई दुकान का निर्माण कार्य जारी है। निर्माण पूरा होने तक अस्थायी रूप से बिक्री की अनुमति दी गई है। स्थानीय लोगों ने इस व्यवस्था पर नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि टेंट में शराब बिक्री से कानून व्यवस्था और सुरक्षा मानकों पर असर पड़ सकता है। फर्म ने उचेहरा ग्रुप की तीन दुकानों का ठेका करीब 25.72 करोड़ रुपये में लिया है।

पार्षद मंसूर बदर का देर रात किया गया भव्य स्वागत

घनश्याम दास

उत्तर प्रदेशः सहारनपुर खाताखेड़ी सड़क प्रकरण के बीच देर रात खाताखेड़ी नागरिकों ने पार्षद और कार्यकारणी सदस्य मंसूर बदर का फूलों और गुलाब की पंखुड़ियों से भव्य स्वागत किया। पूर्व पार्षद डॉक्टर अहसान ने कहा कि जो भी व्यक्ति लोगों के लिए काम करता है। उसका मान सम्मान खुद ब खुद लोग करते हैं। कुछ लोगों को शब्दों की मयार्दा नहीं पता और ना ये पता कि वो किसके बारे में क्या बोल रहे हैं। पार्षद मंसूर बदर पढ़े लिखे सभ्य और लगातार लोगों की सेवा करने वाली शख्सियत है कुछ लोग उनकी बढ़ती लोकप्रियता को हजम नहीं कर पा रहे हैं। भूरा मलिक तो एक मोहरा है इसके पीछे और भी लोग हैं लेकिन खाताखेड़ी की जनता काम करने वाले और

नाकारा लोगों में फर्क जानती है। देर रात 12.00 बजे भी पार्षद मंसूर बदर के स्वागत में लोग सड़कों पर मौजूद रहे महिलाओं ने छतों से गुलाब की पंखुड़ियां बिखेरी पार्षद और कार्यकारणी सदस्य मंसूर बदर ने कहा कि हम लोग जब एक सफ में खड़े होकर नमाज पढ़ते है उसमें ना कोई छोटा होता है ना बड़ा।

आदमी के कर्म उसे छोटा और बड़ा बनाते हैं। जिम्मेदार लोगों को काम करना चाहिए इधर उधर की बातें नहीं करनी चाहिए। पार्षद मंसूर बदर ने कहा कि काम करने वाला पार्षद दल हमेशा से चाहे एस आई आर हो,चाहे जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र का मामला हो, चाहे पुराने शहर के वार्डों को कई किलोमीटर दूर से वापस निगम ले जाना हो,चाहे दबनी वाला कब्रिस्तान हो या मानक मऊ शमशान घाट हो, चाहे ईदुल फितर,और ईदुल अजहा की तैयारी हो,स्ट्रीट लाइट्स,पानी की समस्या हो, सड़क के मसले हो नगर और 32 गांवों की समस्याओं का समाधान करवाने में हमेशा आगे रहता है। भविष्य में लोगों के साथ खड़ा रहेगा इस मौके पर पार्षद समीर अंसारी, पार्षद सईद सिद्दीकी, पार्षद इजहार मंसूरी, पार्षद महमूद हसन, पार्षद रईस पप्पू, पार्षद जफर अंसारी, पार्षद गुलजेब खान के साथ वाजिद मलिक, इरशाद मलिक, मसूद अंसारी, कुरबान मलिक, डॉक्टर नसीम मलिक, डॉक्टर मुक्तदीर, रिहान मलिक, साजिद मलिक, नौशाद मलिक, परवेज मलिक, अहसान मलिक, इसरार मलिक, राहिल आजमी, इमरान मंत्री, अलमास, जावेद मलिक व कमाल मलिक आदि ने जोरदार स्वागत किया।

एक नजर

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से 5 वर्षीय बच्ची हुई गंभीर रूप से घायल, जिला अस्पताल रेफर

सूरज कुमार यादव/उत्तर प्रदेशः उन्नाव आसीवन थाना क्षेत्र के अंतर्गत तेज रफ्तार से जा रहे बाइक सवार ने सड़क पार कर रही पांच वर्षीय बच्ची को जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। स्वजनों ने आनन-फानन उसको मियॉगंज सीएचसी में भर्ती कराया जहां से डाक्टर ने उसकी हालत गंभीर

देख प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया । थाना क्षेत्र के रसूलाबाद-सफीपुर मार्ग पर स्थित लोचन खेड़ा गांव निवासी राधेश्याम की पांच वर्षीय बेटी सोनिका परचून की दुकान पर सामान खरीदने जा रही थी, तभी तेज रफ्तार से जा रहे बाइक सवार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी।जिसमें बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गयी। आनन-फानन घायल बच्ची को परिजनों ने मियॉगंज सीएचसी में भर्ती कराया। जहां मौजूद डॉक्टर पंकज वर्मा ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया।जिला अस्पताल में भी बच्ची की हालत चिंताजनक बनी हुई है। हादसे के बाद बाइक चालक बाइक सहित मौके से भाग गया।

होमगार्ड भर्ती परीक्षा पर डीएम का औचक निरीक्षण, पारदर्शिता के दिए निर्देश

राजपूत रणजीत/गुजरातः अम्बेडकरनगर होमगार्ड स्वयंसेवक भर्ती परीक्षा को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने दूसरे दिन विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अपर जिलाधिकारी ज्योत्स्ना बंधु के साथ बीएन इंटर कॉलेज अकबरपुर, रामअवध जनता इंटर कॉलेज बरियावन, एचटी इंटर कॉलेज टांडा समेत कई केंद्रों पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सीसीटीवी कंट्रोल रूम, क्लॉक रूम, स्ट्रांग रूम और परीक्षा कक्षों की जांच की गई। डीएम ने अभ्यर्थियों के लिए पेयजल, शौचालय, बिजली व बैठने की व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखने, प्रवेश द्वार पर सघन चेकिंग और पहचान सत्यापन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और सुचारु ढंग से संपन्न कराया जाए।

बहन का कंकाल कंधे पर लेकर 5 किमी चला भाई, बैंक नियमों के चलते हुआ मजबूर

अनिल/हरियाणाः हरियाणा से सामने आई एक घटना ने व्यवस्था की कठोर सच्चाई उजागर कर दी। जीतू मुंडा नाम के एक व्यक्ति ने अपनी बहन कालरा मुंडा का कंकाल कंधे पर उठाकर बैंक तक का सफर तय किया। कालरा की दो महीने पहले मृत्यु हो चुकी थी। मरने से पहले उन्होंने जीतू को बताया था कि उनके बैंक खाते में 19,300 रुपये जमा हैं, जिन्हें वह निकाल लें। जब जीतू बैंक पहुंचे, तो कर्मचारियों ने पैसे देने से इनकार कर दिया। उनसे कहा गया कि या तो खाताधारक खुद आए या फिर मृत्यु प्रमाण पत्र और कानूनी वारिस होने का दस्तावेज प्रस्तुत किया जाए। आर्थिक तंगी से जूझ रहे जीतू के लिए ये कागजी प्रक्रियाएँ पूरी करना बेहद मुश्किल था। मजबूरी में उन्होंने एक असाधारण और दर्दनाक रास्ता चुना। उन्होंने अपनी बहन की कब्र खोदी, उनके अवशेष एक बोरी में रखे और कंधे पर लादकर करीब 5 किलोमीटर पैदल चलकर बैंक पहुंच गए। यह दृश्य जिसने भी देखा, वह स्तब्ध रह गया। यह घटना केवल एक व्यक्ति की पीड़ा नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की तस्वीर पेश करती है जहाँ गरीबों के लिए सम्मान से ज्यादा अपमान और संघर्ष ही अक्सर उनका हिस्सा बन जाता है।

1 मई को मां उमिया की भव्य नगर यात्रा, तैयारियां हुई पूरी

राजपूत रणजीत

गुजरातः माताजी की पारंपरिक नगर यात्रा शुक्रवार, 1 मई 2026 (वैशाख सुद पूनम) को उन्झा कस्बे से शुरू होगी, जहां जगत जननी मां उमिया 1870 वर्षों से निवास कर रही हैं। 8 किलोमीटर लंबे मार्ग पर आयोजित होने वाली इस ऐतिहासिक नगर यात्रा की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। नगर यात्रा सुबह 8:00 बजे गुजरात यात्रा धाम विकास बोर्ड के सचिव रमेशभाई मेरजा द्वारा हरी झंडी दिखाकर शुरू की जाएगी। इस अवसर पर ऊंझा संस्थान के अध्यक्ष बाबूभाई पटेल और अन्य पदाधिकारी एवं नेता उपस्थित रहेंगे। आयोजन समिति की हाल ही में हुई बैठक में नगर यात्रा की व्यवस्थाओं से संबंधित कार्यों की समीक्षा भी की गई। इस वर्ष की नगर यात्रा में हाथी, घोड़े, विभिन्न प्रकार की बग्गियाँ और स्वास्थ्य एवं जन कल्याण के संदेश देने वाली झांकियाँ शामिल होंगी।

यह यात्रा लगभग 4 किलोमीटर लंबी होगी और इसमें लगभग 165 आकर्षक झांकियाँ होंगी। स्वयं माँ उमिया एक सुंदर रूप से सजे हुए दिव्य रथ में सवार होकर भक्तों को दर्शन देंगी।नगर

यात्रा के मार्ग पर स्थित सड़कों, मोहल्लों और बाजारों को हरे रंग के मेहराबों से सजाया गया है। देवी के भक्त राजमार्गों पर साड़ियाँ बिछाकर और विभिन्न स्थानों पर आरती-पूजन करके देवी का स्वागत करेंगे। विभिन्न समितियों और संगठनों ने स्वागत मेहराब और बैनर लगाकर उत्साह दिखाया है। यह उल्लेखनीय है कि नगर यात्रा के दिन ऊँझा के व्यापारियों ने स्वेच्छा से अपनी दुकानें बंद कर-के भक्ति में शामिल होने का निर्णय लिया है।

गुजरात ही नहीं, बल्कि राजस्थान, मध्य प्रदेश और मुंबई जैसे क्षेत्रों से भी हजारों उमिया परिवार के सदस्य इस उत्सव में शामिल होंगे। महिलाओं के समूह आभूषण पहनकर और हाथों में मेहंदी लगाकर माताजी की पूजा कर रहे हैं। पूरी नगर यात्रा का सीधा प्रसारण विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किया जाएगा ताकि देश-विदेश में रहने वाले श्रद्धालु घर बैठे ही दर्शन कर सकें। व्यवस्थाओं की सारी जिम्मेदारी उमा माई मंडल और संगठन के सक्रिय कार्यकताओं द्वारा संभाली जाएगी।

संगठन के मानद मंत्री जयंतीभाई पटेल ने कहा कि इस वर्ष नगर यात्रा एक नया इतिहास रचेगी क्योंकि भक्तों में मां उमिया के प्रति आस्था और उत्साह कई गुना अधिक है। नगर यात्रा दोपहर 1:30 बजे परिक्रमा पूरी करके अपने मंदिर लौट आएगी।

महिलाओं व बालिकाओं को सुरक्षा और साइबर जागरूकता का दिया गया संदेश

घनश्याम दास

उत्तर प्रदेशः रामपुर मनिहारान एंटी रोमियो एंव मिशन शक्ति अभियान फेज 0,5 द्वितीय चरण के पुलिस टीम प्रभारी उपनिरीक्षक प्रवेश शर्मा ने अन्य पुलिस कर्मियों सहित नगर में जागरूकता अभियान चलाकर आमजन व महिलाओं एंव बालिकाओं को मिशन शक्ति अभियान के तहत विस्तार से संवाद कर जागरूक किया। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद सहारनपुर माननीय अभिनंदन सिंह के दिशानिर्देशन में श्रीमान थाना प्रभारी श्री उम्मेद सिंह के कुशल नेतृत्व मे एंटी रोमियो टीम प्रभारी उपनिरीक्षक श्री प्रवेश शर्मा ,महिला कांस्टेबल सोनू , महिला कांस्टेबल नजमा, महिला रिक्रूट आरक्षी उपासना, महिला रिक्रूट आरक्षी मोनिका, महिला रिक्रूट आरक्षी प्राची देवी, महिला रिक्रूट आरक्षी सोनम व महिला होमगार्ड सविता द्वारा संयुक्त रूप से दिल्ली रोड, मौहल्ला बंजारन, सराफा बाजार, मेन बाजार, बैंक व इस्लामनगर रोड आदि स्थानों पर महिला सुरक्षात्मक अभियान चलाकर आमजन और महिलाओं एंव बालिकाओं को मिशन शक्ति अभियान फेज 0,5 के दृष्टिगत

संपूर्ण जानकारी दी गई।

जिसमें महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान मिशन शक्ति फेज 0,5 व साइबर अपराध सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत बालिकाओं को डिजिटल एरेस्टिंग व सशक्तिकरण एवं सरकार द्वारा चलाई गयी योजनाओं और बच्चों के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों के बारे मे बताया गया, एवं उनके अधिकारों, सुरक्षा और संरक्षण के बारे में जागरुक किया गया। साईबर फ्रॉड एवं साईबर क्राइम के बारे मे भी संपर्क कर विस्तार से जागरूक किया गया। सरकार द्वारा जारी किए गए हेल्पलाइन नंबर 1090 वूमेन पावर,1930 साइबर अपराध, 108 एंबुलेंस सेवा व 112 पुलिस आपातकालीन सेवा आदि के बारे में जानकारी दी गयी, एंटी रोमियो टीम ने महिला उत्पीड़न जैसे राह में अनावश्यक छेड़-छाड़ करना, किसी के द्वारा डर भय दिखाना, व अनावश्यक धमकी देना आदि की स्थिति में तुरंत उपरोक्त नम्बरों पर निर्भय होकर कॉल कर पुलिस विभाग की सहायता प्राप्त करने की अहम सलाह दी। और महिलाओं/बालिकाओं को विस्तृत जानकारी देकर निर्भीक किया। अभियान के दौरान पुलिस टीम द्वारा पंपलेट भी वितरित किए गए।

PM आवास योजना के नाम पर घूसखोरी, ग्राम सेवक पकड़ा गया रंगे हाथों

राजपूत रणजीत

गुजरातः मेहसाणा जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एंटी करप्शन ब्यूरो एसीबी ने प्रधानमंत्री आवास योजना की किस्त जारी करने के एवज में रिश्वत मांगने वाले एक ग्राम सेवक को रंगे हाथों पकड़ लिया। इस कार्रवाई से सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता पर सवाल खड़े हुए हैं, वहीं एसीबी की तत्परता की सराहना भी हो रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपी अजय सिंह कानूसिंह राजपूत, जो कि बीजापुर तालुका पंचायत में अनुबंध आधारित ग्राम सेवक के रूप में कार्यरत था, ने शिकायतकर्ता से 5,000 रुपये की रिश्वत की मांग की थी। यह रिश्वत

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मिलने वाली सहायता राशि की अगली किस्त जारी करने के बदले मांगी गई थी।

शिकायतकर्ता ने एसीबी गांधीनगर यूनिट से संपर्क कर पूरे मामले की जानकारी दी। शिकायत की सत्यता की पुष्टि करने के बाद एसीबी टीम ने योजनाबद्ध तरीके से ट्रैप ऑपरेशन तैयार किया। 29 अप्रैल 2026 को आनंदपुरा सर्कल, विजापुर में जाल बिछाया गया, जहां आरोपी ने शिकायतकर्ता से 5,000 रुपये की रिश्वत स्वीकार की। जैसे ही आरोपी ने रकम ली, एसीबी टीम ने उसे मौके पर ही दबोच लिया।

जांच में सामने आया कि शिकायतकर्ता के दादा के पुराने मकान को गिराकर नया घर बनाने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत कुल 1,20,000 रुपये की सहायता स्वीकृत हुई थी। इस राशि की किश्तों में भुगतान होना था, जिसमें तीसरी किस्त 50,000 रुपये और अंतिम किस्त 10,000 रुपये की थी। इन्हीं किश्तों को जारी करने में तेजी लाने के नाम पर आरोपी ने रिश्वत की मांग की थी।

इस पूरे ट्रैप ऑपरेशन का नेतृत्व ट्रैपिंग ऑफिसर श्री के.के. देसाई ने किया, जबकि पर्यवेक्षण अधिकारी के रूप में ए.के. परमार सहायक निदेशक, एसीबी गांधीनगर मौजूद रहे। वहीं इस कार्रवाई की समग्र जिम्मेदारी उप निदेशक हरेश मेवाड़ा एसीबी अहमदाबाद के पास थी।

एसीबी ने आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। इस कार्रवाई के बाद प्रशासनिक तंत्र में हड़कंप मच गया है और अन्य कर्मचारियों को भी सख्त संदेश गया है कि भ्रष्टाचार किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की कार्रवाई से आम जनता का सरकारी योजनाओं पर भरोसा मजबूत होगा और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

ग्राम रथ अभियान हुआ शुरू, मोबाइल वैन से योजनाओं का होगा प्रचार

शाहीहुर्रहमान

राजस्थानः ग्राम रथ अभियान के तहत विभिन्न विधानसभाओ के लिए रथो को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। ग्राम रथ अभियान के तहत जिला कलेक्टर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में जिले के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने ग्राम रथो को रवाना किया गया। इस मौके पर मौजूद रहे देवली उनियारा विधायक राजेंद्र गुर्जर ,निवाई पीपलू विधायक रामसहाय वर्मा, जिला कलेक्टर टीना डाबी, भाजपा जिला अध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान, और पूर्व सभापति लक्ष्मी जैन सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे हैं। प्रचार मोबाइल वैन रथो को हरी झंडी दिखाकर प्रत्येक विधानसभाओं के लिए रवाना किया गया।

कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी योजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी जनता के बीच पहुंचाई जाएगी ग्राम रथ अभियान के माध्यम से जिले की विधानसभा क्षेत्र में व्यापक प्रचार प्रसार का जन जागरूक अभियान चलाया जाएगा। ग्राम रथ अभियान के तहत जिला कलेक्टर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में जिले के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने ग्राम रथो को रवाना किया गया। इस मौके पर मौजूद रहे देवली उनियारा विधायक राजेंद्र गुर्जर ,निवाई पीपलू विधायक रामसहाय वर्मा, जिला कलेक्टर टीना डाबी, भाजपा जिला अध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान, और पूर्व सभापति लक्ष्मी जैन सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे हैं। प्रचार मोबाइल वैन रथो को हरी झंडी दिखाकर प्रत्येक विधानसभाओं के लिए रवाना किया गया कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी योजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी जनता के बीच पहुंचाई जाएगी ग्राम रथ अभियान के माध्यम से जिले की विधानसभा क्षेत्र में व्यापक प्रचार प्रसार का जन जागरूक अभियान चलाया जाएगा।

बंगाल में सत्ता परिवर्तन के संकेत, भाजपा को बढ़त का दावा

अशोक भंडारी

मध्य प्रदेशः ज्योतिष सम्राट प पु गच्छाधिपति आचार्य देवेश श्रीमद्विजय ऋषभचंद्र सूरीश्वर जी म सा के शिष्य रत्न मुनिराज श्री जीतचन्द्र विजय जी म सा ने भविष्यवाणी करते हुए बताया कि भाजपा पांच राज्यो के चुनावों में असम, पांडिचेरी व पश्चिम बंगाल में विधान सभा बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। बंगाल में गुंडाराज का आतंक खत्म होने जा रहा है। बंगाल में 294 सीटों के लिए चुनाव चल रहे है। मतदान हो चुका है आगामी 4 मई को बंगाल चुनाव की मतगणना होने जा रही है। वर्तमान ग्रह गोचर को ध्यान में रखकर बात की जाय तो शनि जो राजयोग देता है। वह गुरु की मीन राशि मे है साथ ही राहु शनि की कुंभ राशि मे विचरण कर रहे है। सूर्य अपनी उच्च मेष राशि मे भ्रमण कर रहा है इस बार भयंकर गर्मी पड़ने के आसार नजर आ रहे है। इस बार बंगाल चुनावो में छूट पुट घटनाओं को छोड़कर मारकाट हिंसा आदि का प्रभाव नही के बराबर रहेगा। पिछले 15 वर्षों से शासन करने वाली पार्टी सत्ता से दूर होते हुए नजर आ रही है।

इन सब मे सरकार के प्रति नकारात्मकता उभर कर सामने आएगी । रिकार्ड मतदान होकर मुस्लिम वोटों का काफी योगदान रहेगा। हो सकता है कि ओबेसी भी बंगाल में अपने लिये कुछ सीटें जीत कर ले आएंगे। कांग्रेस का प्रदर्शन बहुत घटिया रहेगा । मुख्यमंत्री भवानीपुर से ममता बैनर्जी खुद भी चुनाव हार सकती है। बहुत मेहनत के बाद उनकी पार्टी 90 के पार कर पाए। इस बार नरेंद्र मोदी,अमितशाह ओर योगी आदित्यनाथ तीनो जिस तरह से मैदान में उतरे है। लग रहा है कि एनडीए 170 से 175 सीटे जीत जाए तो कोई अतिशयोक्ति नही होगी। इस बार ग्रहों की चाल से स्पष्ट नजर आ रहा है कि बंगाल में सत्ता परिवर्तन सम्भव है।

सामूहिक विवाह सम्मेलन में 51 जोड़ों ने हिंदू रीति-रिवाज से किया विवाह

शाहिदुरहमान

उत्तर प्रदेशः सकल पंच खटीक समाज द्वारा पीपल पूर्णिमा के अवसर पर गांधी पार्क में द्वितीय निःशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें 51 जोड़े हिंदू रीति-रिवाज से परिणय सूत्र में बंधे। पंडित पवन सागर ने विधि-विधान से पाणिग्रहण संस्कार सम्पन्न कराया। वर-वधुओं की निकासी किदवई पार्क से बैंड-बाजों और हाथी-घोड़ों के साथ निकाली गई, जिसका शहरवासियों ने जगह-जगह स्वागत किया। रोटरी क्लब ने सुभाष चौक पर पुष्प वर्षा कर अभिनंदन किया।

मुख्य अतिथि पूर्व विधायक अजीत सिंह मेहता ने सामूहिक विवाह को सामाजिक समरसता का प्रतीक बताया। समारोह में समाज के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे और आयोजन को सफल बनाने में सहयोग दिया।

साधु की गोली मारकर की गई हत्या, इलाके में मची सनसनी

माहेश्वरी कांजीभाई नारणभाई

गुजरातः कच्छ जिले के भचाऊ क्षेत्र में मंगलवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां एक साधु ने ही दूसरे साधु की गोली मारकर हत्या कर दी। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है और लोगों में भय का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वोंध ओवरब्रिज के पास 70 वर्ष से अधिक उम्र के हरगोविंद भाई साधु पर मुकेश साधु नाम के युवक ने अचानक फायरिंग कर दी। गोली लगने से हरगोविंद भाई की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि यह हत्या निजी रंजिश के चलते की गई। घटना की सूचना मिलते ही भचाऊ पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और पूरे क्षेत्र को घेर लिया। पुलिस ने घटनास्थल से खाली कारतूस और तलवार की म्यान बरामद की है, जिससे मामले को और गंभीर माना जा रहा है। पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है और आसपास के इलाकों में सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। प्रारंभिक जांच में यह मामला आपसी दुश्मनी का बताया जा रहा है, लेकिन पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है।

इलाके में दहशत

दिनदहाड़े हुई इस वारदात से स्थानीय लोगों में डर का माहौल है। लोग इस घटना को लेकर हैरान हैं कि धार्मिक वेशधारी व्यक्तियों के बीच इतनी घातक दुश्मनी कैसे हो सकती है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा और मामले का खुलासा किया जाएगा।

सरकारी जमीन की मापणी के दौरान विवाद, सर्वेयर व पत्रकार से अभद्र व्यवहार का मामला आया सामने

राजेशभाई खापाभाई पटेल

गुजरातः नवसारी जिले के गणदेवी तालुका के कालम्या गांव में सरकारी जमीन की मापणी के दौरान उस समय तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई जब एक भूमि विवाद ने अचानक उग्र रूप ले लिया। जानकारी के अनुसार, जसुबेन डोलतभाई पटेल के स्वामित्व वाली जमीन की मापणी के लिए राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची थी, जहां प्रक्रिया के दौरान विवाद की स्थिति बन गई।

मापणी कार्य के दौरान स्थानीय व्यक्ति कांस्तनभाई मनुभाई पटेल द्वारा सर्वेयर दीप कुमार को कथित रूप से धमकी दिए जाने का मामला सामने आया है। इस घटना के चलते मौके पर मौजूद कर्मचारियों और ग्रामीणों के बीच माहौल तनावपूर्ण हो गया। स्थिति उस समय और गंभीर हो गई जब मौके पर उपस्थित पत्रकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता राजेशभाई पटेल के साथ भी अभद्र व्यवहार किए जाने के आरोप लगे। बताया जा रहा है कि वे एक जिम्मेदार पत्रकार के रूप में वहां कवरेज के लिए मौजूद थे। घटना के बाद जसुबेन डोलतभाई पटेल ने प्रशासन से अपने जमीन अधिकारों की सुरक्षा और न्याय दिलाने की मांग की है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से मामले में निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की अपील की है। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने भी प्रशासन से मांग की है कि भूमि मापणी जैसे सरकारी कार्यों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जाए ताकि भविष्य में इस तरह के विवाद और तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न न हों। प्रशासनिक स्तर पर मामले की जांच शुरू किए जाने की संभावना है, वहीं ग्रामीणों में निष्पक्ष कार्रवाई की उम्मीद बनी हुई है।

एक नजर

घरेलू विवाद के चलते पत्नी की करी हत्या, आरोपी गिरफ्तार

अभय/उत्तर प्रदेशः शाहजहाँपुर जनपद के थाना मिजार्पुर क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक व्यक्ति ने घरेलू विवाद के चलते अपनी ही पत्नी की निर्मम हत्या कर दी पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को घटना में प्रयुक्त आलाकत्ल (फावड़ा) सहित गिरफ्तार कर लिया। ग्राम नई बस्ती भौती निवासी महिला द्वारा थाना मिजार्पुर में लिखित तहरीर दी गई, जिसके आधार पर पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज किया। मामला हत्या से जुड़ा होने के कारण पुलिस प्रशासन सतर्क हो गया और उच्च अधिकारियों के निर्देश पर आरोपी की तलाश तेज कर दी गई। दिनांक 29 अप्रैल 2026 की रात करीब 02:35 बजे, थाना मिजार्पुर पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त और संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सटीक सूचना पर पुलिस ने कलान रोड सौनेक तिराहे से आरोपी क्षत्रपाल पुत्र मोतीलाल को गिरफ्तार कर लिया।

आईपीएल सट्टा रैकेट का पदार्फाश, 6 मोबाइल, नकदी समेत आरोपी गिरफ्तार

शाहिहुरहमान/राजस्थानः पीपलू टोंक जिला स्पेशल टीम (डीएसटी) टोंक और थाना पुलिस निवाई ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए आईपीएल क्रिकेट मैच पर लाखों रुपए का सट्टा लगाते एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 6 मोबाइल फोन, 9 हजार रुपए नकद और सट्टे का हिसाब-किताब बरामद किया है। डीएसटी टीम ने मंगलवार देर रात निवाई शहर के निर्माण नगर विस्तार क्षेत्र में गंगा-जमना गार्डन के पीछे स्थित एक मकान पर दबिश दी। यहां आरोपी नितिन जैन पुत्र पदमचंद जैन (40) निवासी निर्माण नगर विस्तार, निवाई, राजस्थान बनाम पंजाब आईपीएल मैच पर सट्टा संचालित करते हुए मिला। पुलिस ने मौके से 6 एंड्रॉयड मोबाइल फोन, 9 हजार रुपए नकद तथा सट्टे का रजिस्टर व अन्य दस्तावेज जब्त किए। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी कई लोगों को जोड़कर ऑनलाइन और मोबाइल के माध्यम से क्रिकेट सट्टा चला रहा था। आरोपी के विरुद्ध थाना निवाई में मामला दर्ज कर लिया गया है तथा पुलिस पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी।

आदित्य नारायण तिवारी ने संभाला एसडीएम पद, आकाश अग्रवाल को दी भावभीनी विदाई

अशोक महूले/मध्य प्रदेशः कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने प्रशासनिक कार्य व्यवस्था की दृष्टि से डिप्टी कलेक्टर श्री आदित्य नारायण तिवारी को किरनापुर एसडीएम का प्रभार सौंपा है। डिप्टी कलेक्टर श्री तिवारी ने 21 अप्रैल को किरनापुर एसडीएम का पदभार ग्रहण कर लिया। किरनापुर में एसडीएम का कार्यभार संभाल रहे भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी श्री आकाश अग्रवाल के 02 माह के प्रशिक्षण पर जाने के कारण डिप्टी कलेक्टर श्री तिवारी को किरनापुर एसडीएम का प्रभार सौंपा गया है। 22 अप्रैल 2026 को रेस्ट हाउस किरनापुर में एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें पूर्व एसडीएम आकाश अग्रवाल का विदाई एवं नवागत एसडीएम आदित्य नारायण तिवारी का स्वागत समारोह संयुक्त रूप से संपन्न हुआ।

मध्य प्रदेशः युवक की हुई संदिग्ध मौत, मामले की जांच में जुटी पुलिस

राधे श्याम गुर्जर

मध्य प्रदेशः मंगलवार रात मुंदी के राधा कृष्ण विहार कॉलोनी में एक युवक की संदिग्ध अवस्था में मौत होने की सूचना मिली है।बताया जाता है कि युवक जावर के पास बमनगांव का निवासी होकर इंदौर में पढ़ाई करता है।और मंगलवार को ही मुंदी के राधा कृष्ण विहार कॉलोनी में निवासी अपने शिक्षक मित्र के यहां रुका था परिजनों ने बताया कि आयुष इंदौर मे पढ़ाई के साथ-साथ प्राइवेट जॉब भी करता था। युवक शादी विवाह के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आया था। शिक्षक मित्र के घर रात मे तबियत खराब होने पर उसे सुबह करीब 5:00 बजे युवक को मुंदी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती किया गया जहां उपचार के दौरान युवक की मौत हों गई।मृतक का नम आयुष पिता करनसिंह मंडलोई निवासी बमनगाँव उम्र करीब 25 बताई जा रही समूचे मामले को मामले को लेकर पुलिस में मामला जांच में लिया है।

भाजपा कार्यकर्ता परसोतमभाई मुंगरा ने किया आप का समर्थन, वार्ड 12 में जीत की अपील

सोजित्रा आशाबेन

गुजरातः न्याय एवं अधिकार समिति के प्रदेश अध्यक्ष श्री परसोतमभाई एन. मुंगरा, जो एक सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं और पिछले 25 वर्षों से भाजपा के कार्यकर्ता रहे हैं, उन्होंने आज आम आदमी पार्टी से जुड़कर अपना समर्थन घोषित किया है।उन्होंने राजकोट में आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार को भारी बहुमत से जिताने की अपील की है।

इसके साथ ही राजकोट महानगरपालिका के वार्ड नंबर 12 के आप उम्मीदवार मिलनभाई सोजीत्रा, महेशभाई राठौड़, आरतीबेन पांभर और दक्षाबेन गोजारिया को भारी बहुमत से विजयी बनाने के लिए वार्ड नंबर 12 की जनता से अपील की है। मिलनभाई सोजीत्रा और महेशभाई राठौड़ राजकोट की जनता के साथ रहकर हमेशा जनता की आवाज उठाने और उनकी समस्याओं को हल करने में सहायक रहे हैं।

वे सड़क, रास्ता, सफाई, पानी और गटर जैसी समस्याओं के समाधान के लिए अग्रणी रहे हैं। राजकोट में भ्रष्टाचार, शराब, ड्रग्स, गुंडागर्दी और असामाजिक गतिविधियों जैसी समस्याओं को खत्म करने के लिए वे हमेशा जनता के साथ मिलकर काम करते हैं। स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में भी वे समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय रहते हैं। वे जनता की समस्याओं को समझते हैं और प्रशासन तथा सरकार तक अपनी आवाज पहुंचाते हैं, तथा कार्य करने के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। उन्होंने वार्ड नंबर 12 सहित सभी वार्डों में आम आदमी पार्टी को भारी बहुमत से जीत दिलाने के लिए राजकोट की जनता से अपील की है।

अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध जयंती पर माल्यार्पण, जन्मस्थली की उपेक्षा पर उठे सवाल

अमरजीत यादव

उत्तर प्रदेशः हिंदी खड़ी बोली के जनक और कवि सम्राट अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध जी की जयंती के अवसर पर निजामाबाद में श्रद्धापूर्वक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान बाबू केदारनाथ स्मारक जन सेवा संस्थान द्वारा संचालित भगत सिंह खेल अकादमी के खिलाड़ियों ने उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम का नेतृत्व संस्थापक एवं राष्ट्रीय पहलवान अमरजीत यादव ने किया। उन्होंने हरिऔध जी की साहित्यिक कृतियों को याद करते हुए कहा कि जिन्होंने पूरे देश में निजामाबाद को पहचान दिलाई, आज उसी महान व्यक्तित्व को स्थानीय स्तर पर भुला दिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि हरिऔध जी की प्रसिद्ध कृति 'प्रिय प्रवास' ने हिंदी खड़ी बोली को एक नई दिशा दी और देश को एक सूत्र में जोड़ने का कार्य किया। इसके बावजूद नगर पंचायत में उनके नाम पर न तो कोई स्मारक है और न ही पुस्तकालय, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। कार्यक्रम में मौजूद अरविंद यादव ने भी जन्मस्थली की बदहाल स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि हरिऔध जी ने आजमगढ़ को राष्ट्रीय पहचान दिलाई, इसलिए उनकी जन्मस्थली पर एक पुस्तकालय का निर्माण अत्यंत आवश्यक है, ताकि साहित्य प्रेमी वहां आकर उनकी कृतियों को समझ सकें।

इस अवसर पर डॉ. आदित्य सिंह, शेरू सोनकर सहित अकादमी के खिलाड़ी एवं अन्य सम्मानित सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से महान साहित्यकार को श्रद्धांजलि देने के साथ ही उनकी विरासत को सहेजने की मांग भी जोर पकड़ती नजर आई।

पिता खेड़ा में भव्य नवकुंडीय मारुति महायज्ञ व श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव जारी

अनिल कुमार धाकड़

राजस्थानः नव कुंडिय मारुति महा यज्ञ श्री मद भागवत कथा रस महोत्सव पिता खेड़ा जाली पंचायत समिति आसींद भीलवाड़ा राजस्थान मेवाड़ पधारों म्हारे देश मेवाड़ जय जय राजस्थान सौजन्य निवेदक अनिल कुमार धाकड़ उर्फ अनिल जैन चांखेड भीलवाड़ा राजस्थान पधारों म्हारे देश मेवाड़ जय जय राजस्थान। जय श्री कृष्णा सा। जय जिनेंद्र सा। समस्त श्रद्धालु भक्तों के आर्थिक मदद तन मन धन सहित धर्म पुण्य सेवा के कार्य बड़े धूम मचा रहे हैं और सुबह सुबह यज्ञ का मंत्रों उच्चारों के साथ विद्वान पंडितों के पावन सान्निध्य में भव्य दिव्य आयोजन हो रहा है ओर दिन में भागवत कथा महोत्सव कार्यक्रम 2 से 5 बजे श्री चित्रांश जी व्यास करेड़ा के पावन सान्निध्य में भव्य दिव्य कथा का आयोजन चल रहा है, जिसका चौथा दिवस है। ये धर्म पुण्य के कार्यकम दिनांक 23 अप्रैल 2026 से 1 मई 2026 तक चलेगा और रोज शाम को राघवेंद्र सरकार टीम के उत्तराखंड से 10 सदस्य ओर भीलवाड़ा के 5सदस्य टीम रोज शाम को 8 बजे से रात 2 बजे तो राम लीला का चित्रण साझा करने का अवसर लाभ ले रहे हैं।

आनंद ही आनंद आ रहा है और ये समस्त धार्मिक अनुष्ठान कार्यकम महंत 108 मन सुख दास दास जी महाराज जी के पावन सान्निध्य में भव्य दिव्य धार्मिक कार्यकम बड़े आनंद से गतिमान है। जितने भी आस पास धर्म प्रेमी बन्धु का अच्छा खासा तन मन धन सहित सह योग मिल रहा है और जो निरंतर गति मान है और ये सब प्रभु मंशा पूर्ण बालाजी महाराज दरबार सरकार की असीम कृपा है और या जोरदार सारी जरूरत मंद सेवाएं बंदोबस्त है और आयोजन सेवा समिति का शानदार अच्छा खासा साथ मिल रहा है जो काबिले तारीफ है और अदभुत है।। पुन समस्त दान वीर भामाशाहों बुद्धि जीवियों श्रद्धालु ओर समस्त जन प्रति निधियो का खूब खूब आभार व्यक्त करते हैं और ऐसे धार्मिक अनुष्ठान से क्षेत्र में सुख शांति अमन चैन कायम रहती है और धर्म के काम से हमारे एरिया सुख शांति अमन चैन कायम है।

संक्षिप्त

पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट पहुंचे हरभजन सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा सांसद और पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने अपनी सुरक्षा वापस लिए जाने के फैसले को चुनौती दी है। उन्होंने इस मामले में पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट में पिटीशन दाखिल करते हुए अपनी सुरक्षा बहाल करने की मांग की है। पूर्व क्रिकेटर ने अपनी याचिका में पूछा है कि आखिर किस आधार पर उनकी सुरक्षा हटाई गई। इसके साथ ही उन्होंने उस घटना पर कार्रवाई की मांग भी की है, जिसमें कथित तौर पर उनके घर के बाहर 'गद्दार' लिख दिया गया था और भीड़ ने हमला करने की कोशिश की थी।

इस मामले की सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने पंजाब सरकार और केंद्र सरकार दोनों को नोटिस जारी करते हुए उनसे जवाब मांगा है। कोर्ट ने पंजाब सरकार से सुरक्षा समीक्षा के आधार पर जवाब मांगा है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पंजाब सरकार से यह स्पष्ट करने को कहा है कि किस आधार पर सुरक्षा समीक्षा करते हुए इसे हटाने का फैसला लिया गया।

भारत का क्वार्टरफाइनल में चीनी ताइपे से मुकाबला

हॉर्सेंस (डेनमार्क), एजेंसी। भारत की पुरुष बैडमिंटन टीम गुरुवार को नॉकआउट ड्रॉ की घोषणा के बाद बीडब्ल्यूएफ थॉमस कप फाइनल्स के क्वार्टरफाइनल में चीनी ताइपे से भिड़ेगी। 2022 की चैंपियन टीम ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर रही। उन्होंने कनाडा (4-1) और ऑस्ट्रेलिया (5-0) पर शानदार जीत के साथ पहले ही अंतिम आठ में जगह पक्की कर ली थी, लेकिन बुधवार को चीन से 3-2 से करीबी हार के साथ अपना ग्रुप स्टेज खत्म किया। चीनी ताइपे के लिए क्वार्टरफाइनल तक का रास्ता बहुत मुश्किल था। उन्हें मेजबान डेनमार्क के खिलाफ अपने अंतिम ग्रुप सी मुकाबले में बहुत मुश्किल स्थिति में धकेल दिया गया था, जहां उन्हें मुकाबले में बने रहने के लिए जीत की जरूरत थी। दबाव के बावजूद, वे नाटकीय तरीके से जीत हासिल करने में कामयाब रहे।

ईटीपीएलः जोंटी रोड्स, डु प्लेसिस और क्लासेन ने रॉटरडैम फ्रेंचाइजी खरीदी

रॉटरडैम, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के तीन पूर्व खिलाड़ियों मशहूर फील्डर जोंटी रोड्स, पूर्व कप्तान फाफ डु प्लेसिस और पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने मिलकर यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) की पांचवीं फ्रेंचाइजी खरीदी है। यह नीदरलैंड्स के रॉटरडैम में होने वाला यूरोप का पहला आईसीसी से अधिकृत टी20 टूर्नामेंट है। मधुकर श्री मैनेजिंग पार्टनर के तौर पर शामिल हुए हैं। यह डेवलपमेंट एक ऐसी लीग के लिए एक मील का पत्थर है जो इस अगस्त में छह यूरोपियन शहरों में लॉन्च होने वाले सबसे रोमांचक नए क्रिकेट कॉम्पिटिशन में से एक के तौर पर तेजी से लोकप्रिय हो रही है।

एरन की अगुवाई वाली परिवर्तन समिति में संगकारा और महानामा

कोलंबो, एजेंसी। सरकार ने गुरुवार को श्रीलंका क्रिकेट के संचालन के लिए पूर्व सांसद एरन विक्रमरत्ने की अगुवाई में नौ सदस्यों वाली परिवर्तन समिति गठित की है। इसमें क्रिकेट पृष्ठभूमि वाले कुमार संगकारा, रोशन महानामा और सिदाथ वेट्टीमुनी को भी नियुक्त किया गया है। पूर्व सांसद एरन विक्रमरत्ने को समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। समिति में क्रिकेटर संगकारा, रोशन महानामा और सिदाथ वेट्टीमुनी हैं। इसके अलावा अधिकतर सदस्य कॉर्पोरेट, लीगल और राजनीति से जुड़े लोग भी इसमें शामिल है। यह समिति श्रीलंका क्रिकेट के प्रशासन में सुधार और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टीम प्रदर्शन को बेहतर करने के लिए कार्य करेगी। इस अवसर पर विक्रमरत्ने ने एक बयान में परिवर्तन समिति के दो मुख्य मकसद बताने से पहले कहा, "मुझे नौ मेंबर वाली कमेटी को लीड करने का मौका मिला है।

रोहित शर्मा का 39वां जन्मदिनः तीन दोहरे शतकों से लेकर 650 छक्कों तक

'हिटमैन' के 5 रिकॉर्ड जिन्हें तोड़ पाना नामुमकिन

मुंबई, एजेंसी।

भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा आज अपना 39वां जन्मदिन मना रहे हैं। क्रिकेट जगत में 'हिटमैन' के नाम से मशहूर रोहित के नाम वनडे इंटरनेशनल में सबसे बड़े व्यक्तिगत स्कोर का अटूट रिकॉर्ड दर्ज है। साल 2014 में श्रीलंका के खिलाफ कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेली गई उनकी 264 रनों की ऐतिहासिक पारी आज 12 साल बाद भी एक मिसाल है। इतना ही नहीं, रोहित दुनिया के इकलौते ऐसे बल्लेबाज हैं जिन्होंने वनडे क्रिकेट में तीन बार दोहरा शतक जड़ने का कारनामा किया है। उनके ये आंकड़े बताते हैं कि जब वे अपनी लय में होते हैं, तो विपक्षी टीम का पूरा गेंदबाजी आक्रमण उनके सामने बौना साबित होता है।

रोहित शर्मा को दुनिया का सबसे खतरनाक पावर-हिटर माना जाता है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 650 छक्के लगाने वाले वे दुनिया के पहले बल्लेबाज हैं, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी का प्रमाण है। 'पुल शॉट' के उस्ताद रोहित ने केवल छक्कों में ही नहीं, बल्कि आईसीसी टूर्नामेंट्स में भी अपना लोहा मनवाया है। साल 2019 के वनडे वर्ल्ड कप में एक ही सीजन में 5 शतक लगाने का उनका रिकॉर्ड आज भी कायम है। कुल मिलाकर वर्ल्ड कप इतिहास में उनके नाम 7 शतक दर्ज हैं, जो किसी भी भारतीय खिलाड़ी द्वारा बनाया गया एक सर्वोच्च कीर्तिमान है।

बल्लेबाजी के साथ-साथ रोहित शर्मा ने अपनी कप्तानी में भी भारतीय क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर पहुँचाया है। उनकी लीडरशिप में टीम इंडिया ने पिछले 12 महीनों के भीतर दो बड़ी आईसीसी ट्रॉफियां—2024 का टी20 वर्ल्ड कप और 2025 की आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी—जीतकर विश्व क्रिकेट में अपना दबदबा कायम किया।

रोहित शर्मा की चोट पर हार्दिक का बड़ा खुलासा

मुंबई, एजेंसी। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेले जा रहे आईपीएल 2026 के 41वें मुकाबले में फैंस को उस वक्त निराशा हाथ लगी, जब पूर्व कप्तान रोहित शर्मा प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं बने। टॉस के दौरान कप्तान हार्दिक पांड्या ने रोहित की फिटनेस पर बड़ा अपडेट देते हुए बताया कि 'हिटमैन' अभी पूरी तरह फिट नहीं हैं। गौरतलब है कि 12 अप्रैल को बेंगलुरु के खिलाफ मैच में बल्लेबाजी के दौरान रोहित को हैमस्ट्रिंग की समस्या हुई थी। हार्दिक ने स्पष्ट किया कि रोहित को मैदान पर वापसी करने के लिए अभी कुछ और मैचों तक इंतजार करना पड़ सकता है, क्योंकि टीम प्रबंधन उनकी रिकवरी को लेकर कोई जल्दबाजी नहीं करना चाहता।

आईपीएल की सभी 10 फ्रेंचाइजियों ने 'हिटमैन' को खास अंदाज में दी जन्मदिन की बधाई

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और अपनी कप्तानी में टीम इंडिया को टी20 विश्व कप 2024 और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का विजेता बनाने वाले रोहित शर्मा गुरुवार को अपना 39वां जन्मदिन मना रहे हैं। भारतीय क्रिकेट और आईपीएल के सबसे सफल कप्तान और बल्लेबाजों में से एक रोहित को आईपीएल की सभी 10 फ्रेंचाइजियों ने अलग-अलग अंदाज में जन्मदिन की बधाई दी है।

प्रीमियर लीग से रेलिगेशन के बाद स्कॉट पार्कर ने बर्नले छोड़ी

बर्नले, एजेंसी।

स्कॉट पार्कर ने आपसी सहमति से बर्नले फुटबॉल क्लब के हेड कोच पद से इस्तीफा दे दिया है। क्लब ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की। अब माइक जैक्सन मौजूदा सपोर्ट स्टाफ के साथ अंतरिम कोच की भूमिका निभाएंगे। जैक्सन की अगुवाई में टीम के बाकी चार प्रीमियर लीग मुकाबले खेले जाएंगे, जिसकी शुरुआत शुक्रवार को लीड्स यूनाइटेड के खिलाफ अवे मैच से होगी। स्कॉट पार्कर का पद छोड़ना बर्नले के प्रीमियर लीग से रेलिगेशन के महज 8 दिन बाद हुआ। क्लब ने यह भी स्पष्ट किया है कि 2026/27 सीजन से पहले नए स्थाई मुख्य कोच की नियुक्ति की प्रक्रिया पहले ही शुरू कर दी गई है।

बर्नले ने एक बयान में कहा, "पिछले हफ्ते क्लब के प्रीमियर लीग से बाहर होने की पुष्टि के बाद, पार्कर और बोर्ड के बीच चर्चा हुई और आपसी सहमति से यह तय किया गया कि टर्फ मूर में उनका कार्यकाल अब समाप्त हो जाएगा।"

टर्फ मूर में अपने कार्यकाल के दौरान, पार्कर ने 2024/25 सीजन में क्लेरेट्स को एक रिकॉर्ड-तोड़ सीजन तक पहुंचाया। उन्होंने बर्नले को चैंपियनशिप से प्रीमियर लीग में प्रमोट करवाया, जिसमें 33 मुकाबलों की अजेय दौड़ शामिल थी और उन्होंने 30 क्लीन शीट का शानदार रिकॉर्ड भी बनाया।

पार्कर ने 2024-25 सीजन से पहले जाने वाले विंसेंट कोम्पनी की जगह ली थी, उन्होंने बर्नले छोड़ने के बाद एक मैसेज में लिखा, "पिछले 2 वर्षों से इस महान क्लब का नेतृत्व करना मेरे लिए एक बहुत बड़ा सौभाग्य रहा है।

राजस्थान के खिलाफ अपनी उम्मीदों को बनाये रखने उतरेगी दिल्ली कैपिटल्स

जयपुर, एजेंसी।

आईपीएल 2026 के 43वें मैच में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) का सामना दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) से होगा। लगातार तीन हार झेल चुकी डीसी को पिछले दो मैचों में बेहद करारी हार मिली है। टीम अब आत्मविश्वास वापस हासिल करके अपने अभियान को पटरी पर लाने की कोशिश करेगी।

पिछले तीन में से दो मैच जीत चुकी आरआर की लय अच्छी चल रही है और वे इसे ही जारी रखना चाहेंगे। राजस्थान नौ मैचों में 12 अंकों के साथ तालिका में चौथे स्थान पर है जबकि दिल्ली आठ मैचों में छह अंकों के साथ सातवें स्थान पर है।

राजस्थान जीत के साथ प्लेऑफ के करीब पहुँच जायेगी। दूसरी तरफ एक और हार दिल्ली की उम्मीदों पर करारा प्रहार करेगी। डीसी टॉप ऑर्डर बनाम जोफ्रा आर्चर इस सीजन पावरप्ले में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ जोफ्रा आर्चर के सामने डीसी का मज़बूत टॉप ऑर्डर एक बड़ी चुनौती पेश करेगा, ख़ासकर केएल राहुल और नितीश राणा के रूप में। टी20 क्रिकेट में राहुल ने आर्चर के ख़िलाफ़ 9 पारियों में 96 रन बनाए हैं, सिर्फ़ 2 बार आउट हुए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 135 रहा है। वहीं राणा का रिकॉर्ड उतना प्रभावशाली नहीं है। आईपीएल में आर्चर के ख़िलाफ़ 4 पारियों में वह सिर्फ़ 9 रन बनाकर 2 बार आउट हुए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 69 का रहा है।

क्या डीसी डेथ ओवर्स के लिए कुलदीप का एक ओवर बचाकर रखेगी? कुलदीप यादव का रिकॉर्ड RR के फ़िनिशर्स डॉनोवन फ़रेरा और दासुन शनाका के ख़िलाफ़ काफ़ी अच्छा रहा है, ऐसे में डीसी उनके ख़िलाफ़ डेथ ओवर्स में कुलदीप का एक ओवर बचाकर रख सकती है।

स्पिनर गेंद को टर्न कराने की कोशिश नहीं कर रहेः मुरलीधरन

मुंबई, एजेंसी। श्रीलंका के महान स्पिनर मुथैया मुरलीधरन का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग में स्पिन गेंदबाज गेंद को टर्न कराने की कोशिश नहीं कर रहे हैं क्योंकि उन्होंने कम उम्र से ही यह हुनर नहीं सीखा है और टूर्नामेंट के दौरान इस कला को सीखना मुमकिन नहीं है। मुरलीधरन ने कहा कि आजकल स्पिन गेंदबाज गेंद को टर्न कराने और बल्लेबाजों को सोचने पर मजबूर करने की कला नहीं सीखते क्योंकि उनका ध्यान सिर्फ विविधता के जरिए रन रोकने पर रहता है। मुंबई इंडियन्स के खिलाफ बुधवार को सनराइजर्स हैदराबाद की छह विकेट की जीत के बाद मुरलीधरन ने कहा, ''घरेलू क्रिकेट में भी स्पिन गेंदबाजों के लिए हालात ऐसे ही रहे हैं। जब हम क्रिकेट खेलते थे तो एक स्पिनर के तौर पर आपको गेंद को टर्न कराना होता था, यही आपका पहला मकसद होता था।

धवन के 'दा वन स्पोर्ट्स' ने ग्वालियर में 'हाई परफोरमेंस सेंटर' लांच किया

- **धवन ने कहा, "क्रिकेट ने मुझे बहुत कुछ दिया है इसलिए यह मेरा फर्ज है कि मैं इस खेल और इस देश के युवाओं को कुछ वापस दूं**

नई दिल्ली, एजेंसी।

शिखर धवन के 'दा वन स्पोर्ट्स' ने बृहस्पतिवार को ग्वालियर में मध्य प्रदेश लीग और बुंदेलखंड बुल्स के साथ साझेदारी में 'आदित्य वर्ल्ड क्रिकेट अकादमी' में अपना पहला हाई परफोरमेंस सेंटर' (एचपीसी) लांच किया।

'दा वन एचपीसी' पूरे भारत में इस तरह का पहला सेंटर है। इस पहल को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि युवा खिलाड़ियों की पहचान, ट्रेनिंग और उन्हें खेल के शीर्ष स्तर के लिए तैयार करने के तरीके को नया रूप दिया जा सके।

ग्वालियर में 'दा वन स्पोर्ट्स' की अगुवाई पूर्व भारतीय क्रिकेटर और राष्ट्रीय चयनकर्ता सबा करीम तकनीकी निदेशक के तौर पर करेंगे। धवन के बचपन के कोच मदन शर्मा मेंटोर होंगे।

धवन ने कहा, ''क्रिकेट ने मुझे बहुत कुछ दिया है इसलिए यह मेरा फर्ज है कि मैं इस खेल और इस देश के युवाओं को कुछ वापस दूं।''

उन्होंने कहा, ''हमारा पहला एचपीसी ग्वालियर में बन रहा है। हमने बेहतरीन कोच रखे हैं जो मेरे और मेरी टीम के सोचने के तरीके को लागू करेंगे। हमने आदित्य वर्ल्ड अकादमी और बुंदेलखंड बुल्स के साथ टाई अप किया है। जो बच्चे अच्छा प्रदर्शन करेंगे, वे बुंदेलखंड बुल्स के लिए खेलेंगे। दूसरे भारतीय शहरों में भी सेंटर खोलने हैं और विस्तार करना है।''

महिला कुश्ती और फ्रीस्टाइल में हरियाणा का दबदबा

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा ने अंडर-17 राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप 2026 में अपना दबदबा कायम करते हुए महिला कुश्ती और फ्रीस्टाइल दोनों स्पर्धाओं में शीर्ष स्थान हासिल किया जबकि बृहस्पतिवार को समाप्त हुई तीन दिवसीय प्रतियोगिता में सेना खेल नियंत्रण बोर्ड (एसएससीबी) ने ग्रीको रोमन प्रारूप में बढ़त बनाई। हरियाणा ने 215 अंक के साथ महिला कुश्ती का खिताब जीता और 205 अंक के साथ फ्रीस्टाइल में भी शीर्ष पर रहा। छत्रपति संभाजी नगर (औरंगाबाद) में आयोजित इस प्रतियोगिता में एसएससीबी ने ग्रीको रोमन में अपना वर्चस्व दिखाते हुए 136 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। केरल, दिल्ली, तेलंगाना, कर्नाटक और जम्मू-कश्मीर भी पदक जीतने वालों में शामिल रहे।

ब्रिटेन के जैक ड्रेपर घुटने की चोट के कारण फ्रेंच ओपन से बाहर

लंदन, एजेंसी।

ब्रिटेन के जैक ड्रेपर घुटने की चोट के कारण अगले महीने होने वाले फ्रेंच ओपन सहित बाकी क्ले कोर्ट सीजन में नहीं खेल पाएंगे।

24 साल के जैक ड्रेपर को जून के ग्रास कोर्ट सीजन में वापसी की उम्मीद है, लेकिन तब तक वह लगभग निश्चित रूप से दुनिया के टॉप 100 खिलाड़ियों से बाहर हो जाएंगे। ड्रेपर ने इस महीने की शुरुआत में बार्सिलोना में सीजन के अपने एकमात्र क्ले कोर्ट मैच से अपने दाहिने घुटने में टेंडन की समस्या के कारण रिटायरमेंट ले लिया था। इसके बाद उन्होंने मैड्रिड और रोम में लगातार दो एटीपी 1000 टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया, लेकिन उम्मीद जताई कि वह फ्रेंच ओपन के लिए फिट हो जाएंगे।

ड्रेपर ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया, "मेरा घुटना ठीक हो रहा है और मैंने फिर से बॉल मारना शुरू कर दिया है, लेकिन दुर्भाग्य से मुझे रौलां गैरो में न खेलने की सलाह दी गई है। एक और स्लैम मिस करना कितना भी बुरा क्यों न हो, सलाह यही है कि क्ले कोर्ट पर पांच सेट का टेनिस खेलने में जल्दबाजी न करें।"

बार्सिलोना में यह टूर्नामेंट ड्रेपर के सर्विंग हाथ की हड्डी में चोट लगने के बाद वापसी का सिर्फ़ चौथा इवेंट था, जिसकी वजह से – यूएस ओपन में एक मैच को छोड़कर – वह पिछले साल विंबलडन के बाद से टूर से दूर थे।

संदीप कुमारः रेस वॉकिंग को देश में दिलाई बड़ी पहचान

- **संदीप कुमार का जन्म 1 मई 1986 को महेंद्रगढ़, हरियाणा में हुआ था**

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारतीय एथलेटिक्स में संदीप कुमार का नाम बेहद जाना पहचाना है। संदीप ने ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व किया है।

संदीप कुमार का जन्म 1 मई 1986 को महेंद्रगढ़, हरियाणा में हुआ था। उनका पूरा नाम संदीप कुमार पुनिया है। वह भारतीय सेना में कार्यरत हैं। संदीप की दिलचस्पी बचपन से ही खेलकुद में रही, लेकिन उन्होंने उस खेल को चुना जिसकी लोकप्रियता देश में बहुत कम है। पैदल दौड़ (रेस वॉकिंग) के महारथी संदीप ने इस खेल में ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व किया है।

एक साधारण परिवार से संबंध रखने वाले संदीप का ओलंपिक तक का सफर उनकी मेहनत, अनुशासन और निरंतर प्रदर्शन का परिणाम है। पैदल दौड़ में संदीप ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है।

रेस वॉकिंग एक कठिन और तकनीकी खेल है, जिसमें गति के साथ-साथ सही तकनीक बनाए रखना बेहद जरूरी होता है। संदीप ने इस चुनौती को स्वीकार किया और लगातार अभ्यास के जरिए अपनी तकनीक को निखारा।

राष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल करने और पहचान बनाने के बाद उन्हें अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला। संदीप ने एशियाई खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों और अन्य अंतरराष्ट्रीय इवेंट्स में देश का प्रतिनिधित्व किया।

संदीप को सबसे बड़ा मौका 2016 में रियो में आयोजित हुए ओलंपिक में मिला था। उन्होंने 50 किलोमीटर रेस वॉक में हिस्सा लिया था। इसके बाद उन्होंने टोक्यो ओलंपिक 2020 में 20 किलोमीटर रेस वॉक में हिस्सा लिया। हालांकि, संदीप पदक नहीं जीत सके, इस मंच पर पहुंचना ही किसी भी खिलाड़ी के लिए बड़ी उपलब्धि होती है, और उन्होंने यहां अपनी पूरी क्षमता के साथ प्रदर्शन किया।

संदीप ने 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में 10 किलोमीटर रेस वॉक में कांस्य पदक जीता था।

संदीप कुमार की सफलता के पीछे उनकी कड़ी ट्रेनिंग, मजबूत मानसिकता और कोचों का मार्गदर्शन है। रेस वॉकिंग में लंबी दूरी तय करनी होती है, जिसके लिए शारीरिक फिटनेस के साथ-साथ मानसिक दृढ़ता भी आवश्यक होती है। संदीप ने इन दोनों पहलुओं पर बराबर ध्यान दिया और खुद को लगातार बेहतर बनाते रहे हैं।

कार्रवाई

पराग ड्रेसिंग रूम के अंदर स्मोकिंग करते हुए कैमरे में पकड़े गए थे

ड्रेसिंग रूम में स्मोकिंग करने पर रियान पराग पर लगा भारी जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी।

रियान पराग पर उनके 'स्मोकिंग एक्ट' के लिए मैच फीस का 25 परसेंट जुर्माना लगाया गया है, जिससे खेल की बदनामी हुई। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान को भेजे गए नोटिस में, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने उन पर प्लेयर कोड ऑफ कंडक्ट (सीओसी) के आर्टिकल 2.1 के तहत लेवल 1 का अपराध लगाया, जो खिलाड़ियों और अधिकारियों द्वारा आम, बिना बताए उल्लंघन से संबंधित है। पराग हाल ही में एक आईपीएल मैच के दौरान ड्रेसिंग रूम के अंदर स्मोकिंग करते हुए कैमरे में पकड़े गए थे।

सीज़न के लिए उनके 14 करोड़ रुपये के कॉन्ट्रैक्ट को देखते हुए, उनकी हर मैच की फीस लगभग 1 करोड़ रुपये होती है, जिसका मतलब है कि 25 परसेंट फाइन लगभग 25 लाख रुपये होगा। यह देखते हुए कि इसे पहली बार का अपराध माना गया था, 25 लाख रुपये एक भारी पेनल्टी है।

जैसा कि क्रिकबज ने 29 अप्रैल को बताया था, ड्रेसिंग रूम में स्मोकिंग के लिए कोई मिसाल या नियम न होने पर, बीसीसीआई ने आर्टिकल 2.21 लागू किया है जो उन अपराधों को कवर करता है जिनका सीओसी में खास तौर पर ज़िक्र नहीं है।

रिकॉर्ड के लिए, "आर्टिकल 2.21 का मकसद उन सभी तरह के व्यवहार को कवर करना है जो खेल को बदनाम करते हैं और जो सीओसी में बताए गए खास अपराधों में खास तौर पर या ठीक से कवर नहीं होते हैं।"

यह आर्टिकल पब्लिक जगहों पर गलत कामों को भी कवर करता है। "उदाहरण के लिए, आर्टिकल 2.21 (ब्रीच की गंभीरता और कॉन्टेक्स्ट के आधार पर) बिना किसी लिमिट के, इन चीज़ों पर रोक लगा सकता है: (ए) पब्लिक में गलत काम; (बी) गलत पब्लिक बिहेवियर; और (सी) गलत कमेंट्स जो गेम के हितों के लिए नुकसानदायक हैं।"

इसमें लापरवाही और ऐसे बिहेवियर का भी ज़िक्र है जिनसे बचा जा सकता है। "ऑफेंस की गंभीरता का अंदाज़ा लगाते समय, खास सिचुएशन का कॉन्टेक्स्ट, और क्या यह जानबूझकर, लापरवाही से, लापरवाही से, जिससे बचा जा सकता था और/या गलती से हुआ था, इस पर विचार किया जाएगा। इसके अलावा, रिपोर्ट दर्ज करने वाला व्यक्ति यह तय करेगा कि कंडक्ट की गंभीरता की रेंज में (गंभीरता की रेंज हाइट1 ऑफेंस से शुरू होती है) से लेकर बहुत गंभीर नेचर (और इसलिए लेवल 4 ऑफेंस) तक कहाँ है।"

बीसीसीआई और राजस्थान रॉयल्स मैनेजमेंट के सूत्रों के मुताबिक, पराग को गुरुवार सुबह नोटिस दिया गया था। उनके पास अपील करने का अधिकार है, हालांकि इससे जांच हो सकती है और आगे की कार्रवाई भी हो सकती है। पता चला है कि खिलाड़ी फाइन भरेगा और आगे बढ़ेगा।

मंगलवार रात मुल्लांपुर में पंजाब किंग्स के खिलाफ रॉयल्स के मैच के दौरान आरआर के कप्तान ड्रेसिंग रूम में ई-सिगरेट पीते हुए कैमरे में पकड़े गए। ऊपर बताया गया आर्टिकल मैच रेफरी ने लगाया है, जिन्होंने फाइन की घोषणा की है। हालांकि, किसी सुनवाई की कोई रिपोर्ट नहीं है।

आईपीएल 2026 में बना नया कीर्तिमान, 18वें सीजन में बना रिकॉर्ड टूटा

नई दिल्ली, एजेंसी।

इंडियन प्रीमियर लीग में बल्लेबाजी ऐसे स्तर पर पहुंच गई है, जहां पहली पारी में बना बड़े से बड़ा स्कोर भी सुरक्षित नहीं रह गया है। आईपीएल 2026 में तो 200 या उससे बड़ा लक्ष्य हासिल करने का नया रिकॉर्ड बन गया है।

आईपीएल 2026 में 29 अप्रैल को वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ। एमआई पहली पारी में 243 रन बनाकर भी हार गई। इसके पहले अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स को 264 रन बनाने के बावजूद पंजाब किंग्स से हार का सामना करना पड़ा था। ये दो मैच बस उदाहरण हैं। आईपीएल 2026 में ऐसा 10 बार हुआ है जब दूसरी पारी में 200 या उससे ज्यादा का लक्ष्य हासिल करते हुए टीमों ने जीत हासिल की है।

यह आईपीएल का नया रिकॉर्ड है। इससे पहले किसी भी सीजन में 10 बार 200 या उससे अधिक का लक्ष्य हासिल नहीं हुआ था। आईपीएल 2026 का लगभग आधा सीजन बाकी है। ऐसे में 200 या उससे बड़े लक्ष्य को हासिल करने वाली संख्या बढ़ती सकती है। पुराना रिकॉर्ड 18वें सीजन (आईपीएल 2025) में बना था, जब टीमों ने 9 बार 200 या उससे अधिक का लक्ष्य हासिल किया था।

आईपीएल 2026 में 200 या उससे अधिक का लक्ष्य हासिल करने वाली टीमों में आरसीबी (2 बार), मुंबई इंडियंस, पंजाब किंग्स (3 बार), राजस्थान रॉयल्स (2 बार), और एसआरएच (2 बार) का नाम शामिल है।

आईपीएल में सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल करने का रिकॉर्ड पंजाब किंग्स के नाम है। पंजाब ने इसी साल दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 265 का लक्ष्य हासिल किया है, जो आईपीएल का रिकॉर्ड है।

विजय वर्मा ने बताया मुश्किल थी 'मटका किंग' की शूटिंग

विजय वर्म इन दिनों अपनी हालिया रिलीज वेब सीरीज 'मटका किंग' को लेकर चर्चाओं में हैं। बातचीत में विजय ने इस प्रोजेक्ट को चुनने की वजह, शूटिंग के दौरान आई चुनौतियों और निर्देशक नागराज मंजुले के साथ काम करने के अनुभव पर खुलकर बात की। बातचीत के दौरान उन्होंने इस खेल की बारीकियों, उसे समझने में आई मुश्किलों और उससे जुड़ी अपनी निजी यादों का भी जिक्र किया। नागराज के साथ काम करने की इच्छा थी 'मटका किंग' को हां कहने की वजह पूछे जाने पर विजय ने सबसे पहले निर्देशक नागराज मंजुले का नाम लिया। उन्होंने कहा, 'नागराज मंजुले के साथ काम करना मेरा सपना था पर जब मैंने अपने किरदार के बारे में सुना तो थोड़ा डर गया कि मैं यह कर पाऊंगा या नहीं। डर इसीलिए था क्योंकि नागराज की फिल्मों में हर बारीकी पर ध्यान दिया जाता है।

मटके का खेल समझना था मुश्किल

शूटिंग के दौरान सबसे बड़ी चुनौती क्या रही? इस पर विजय ने कहा, 'सबसे मुश्किल था मटके का खेल समझना। बाहर से देखने पर लगता है कि ये सिर्फ ताश का खेल है लेकिन जब आप उसे किरदार के साथ जीते हैं, तब पता चलता है कि उसके भीतर कितनी बारीकियां हैं। ताश खेलते हुए डायलॉग बोलना, बातचीत करना, एक्सप्रेशन बनाए रखना और साथ ही उस दुनिया में बने रहना... ये सब एक साथ करना अपने आप में बड़ा चैलेंज था।'

ट्रेन के सफर में खेलता था ताश

दिलचस्प बात यह है कि ताश से विजय का रिश्ता सिर्फ इस सीरीज तक सीमित नहीं है। उन्होंने बताया कि असल जिंदगी में भी वह ताश खेल चुके हैं। विजय बोले, 'मैंने रियल लाइफ में भी खूब ताश खेला है। हैदराबाद से किशनगढ़ के ट्रेन सफर के दौरान एक अलग ही माहौल हुआ करता था। लोग अपने सब जरूरी सामान के साथ ताश लेकर चलते थे, ताकि सफर आराम से कट जाए। मैं भी उन्हीं में शामिल था और मुझे भी सफर के दौरान ताश खेलना पसंद था।'

बातचीत के दौरान जब विजय से पूछा गया कि ऐसी कौन सी लत है, जो चाहकर भी छूट नहीं रही? तो विजय ने हंसते हुए कहा, 'मैं बहुत कोशिश करता हूं कि वक्त पर सो जाऊं लेकिन पता नहीं क्यों ऐसा हो नहीं पाता। रात के एक-दो बज ही जाते हैं। कोशिश तो करता हूं, लेकिन रोज बुरी तरह फेल हो जाता हूं। यही मेरी एक ऐसी आदत है, जिसे चाहकर भी बदल नहीं पा रहा हूं।'

अपने पिता को याद कर भावुक हुईं अंकिता लोखंडे

छोटे पर्दे की लोकप्रिय अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने अपने पिता को याद करते हुए कहा है कि वह अपनी हर सांस में उन्हें याद करती हैं। अंकिता के पिता शशिकांत लोखंडे का निधन लंबी बीमारी के बाद 2023 में हो गया था। अंकिता ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में अपने पिता के साथ की एक पुरानी तस्वीर साझा की है। तस्वीर में अभिनेत्री अपने पिता के साथ हैं। अंकिता ने कैप्शन में लिखा, 'मैं हर सांस में आपको याद करती हूं। उन्होंने आगे लिखा, 'जब आपके माता-पिता आपके साथ हों तो उनसे प्यार करें, वरना मेरा यकीन मानिए, बाद में आपको सिर्फ पछतावा होगा। वर्क फ्रंट पर, अंकिता और उनके पति विक्की जैन अभी 'लाफ्टर शेफ्स फन अनलिमिटेड' के नए संस्करण में नजर आ रहे हैं, जिसमें अर्जुन बिजलानी, करण कुंद्रा, एल्विश यादव, जन्नत जुबैर, कृष्णा अभिषेक, कश्मीरा शाह, निया शर्मा, अभिषेक कुमार और समर्थ जुरेल जैसे कलाकार हैं। अंकिता ने पवित्र रिश्ता में अर्चना मानव देशमुख के रोल से अभिनय के क्षेत्र में कदम रखा था। इसके बाद वह झलक दिखला जा 4 और कॉमेडी सर्कस में दिखीं। होंने एक थी नायिका के दो एपिसोड में भी किया।

परब्रमता चटर्जी के साथ काम कर खुश हैं निमृत कौर अहलूवालिया

कई बार शूटिंग के दौरान कलाकारों के बीच अच्छी बॉन्डिंग दिखने लगती है। ऐसी ही दोस्ती अभिनेत्री निमृत कौर अहलूवालिया और बंगाली अभिनेता परब्रमता चटर्जी के बीच देखने को मिली। दोनों इन दिनों एक नई थ्रिलर-एक्शन वेब सीरीज की शूटिंग कर रहे हैं। निमृत ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने अपने को-स्टार की जमकर तारीफ की और उन्हें सबसे अच्छा इंसान बताया। निमृत कौर अहलूवालिया ने अपने इंस्टाग्राम पर एक सेल्फी शेयर की, जो नैनिताल की शूटिंग के दौरान ली गई है। इस तस्वीर में वह और परब्रमता चटर्जी साथ खड़े नजर आ रहे हैं और कैमरे की तरफ मुस्कुराते हुए दिख रहे हैं। तस्वीर में उनकी दोस्ती साफ दिख रही है। इस फोटो के साथ निमृत ने कैप्शन में लिखा, ''परब्रमता चटर्जी इस दुनिया के सबसे अच्छे लोगों में से एक हैं और उनके साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात है।'' फिलहाल इस नई वेब सीरीज का नाम अभी सामने नहीं आया है और इसके बारे में ज्यादा जानकारी भी गोपनीय रखी गई है। फिल्म की शूटिंग पिछले हफ्ते शुरू हो चुकी है और इसे एक थ्रिलर-एक्शन कहानी के रूप में बनाया जा रहा है। इससे पहले फरवरी में खबर आई थी कि निमृत एक नई

थ्रिलर सीरीज में नजर आएंगी, जिसका नाम 'अब होगा हिसाब' बताया जा रहा है। इसकी कहानी पंजाबी संस्कृति से जुड़ी होगी। इस शो में संजय कपूर, शहीर शेख और मौनी रॉय जैसे बड़े कलाकार भी शामिल हैं। इस सीरीज को एरे स्टूडियो प्रोड्यूस कर रहा है और इसका निर्देशन दिव्यांशु मल्होत्रा कर रहे हैं। कहानी एक रहस्य और बदले पर आधारित है, जिसमें इंसानी भावनाएं, सत्ता की लड़ाई और छिपे हुए राज दिखाए जाएंगे। इस कहानी में निमृत का किरदार काफी अहम बताया जा रहा है। बता दें कि निमृत इससे पहले पंजाबी फिल्म 'शौकी सरदार' में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ गुरु रंधावा, बब्बू मान और गुग्गू गिल जैसे कलाकार भी थे। यह फिल्म 16 मई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

आयुष्मान खुराना ने बताया कैसे सेलेक्ट करते हैं स्क्रिप्ट?

आयुष्मान खुराना इस साल तीन फिल्मों में नजर आने वाले हैं। इन दिनों आयुष्मान 'पति पत्नी और वो दो', 'उड़ता तीर' और 'ये प्रेम मोल लिया' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। आयुष्मान ने आने वाली फिल्मों में अपने किरदारों को लेकर बात की। साथ ही बताया कि वह हर फिल्म के साथ कुछ नया करने की कोशिश क्यों करते हैं?

आयुष्मान की तीन फिल्में

आयुष्मान खुराना इस साल 2026 में तीन फिल्मों में नजर आने वाले हैं, ये सभी फिल्में एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं। पहली फिल्म कॉमेडी और रिश्तों पर है। जबकि दूसरी फिल्म अनोखी और विद्रोही है। तीसरी फिल्म परिवार और परंपरा पर आधारित है। पहली फिल्म 'पति पत्नी और वो दो', जो 15 मई को रिलीज होगी। दूसरी फिल्म 'उड़ता तीर', जो 11 सितंबर को आएगी। तीसरी फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया', जो 27 नवंबर को रिलीज होगी।

फिल्में कैसे सेलेक्ट करते हैं आयुष्मान

आयुष्मान ने कहा, 'मैं कभी भी जानबूझकर अलग तरह के रोल दिखाने की कोशिश नहीं करता। मेरे लिए सिर्फ वो कहानियां महत्वपूर्ण हैं, जो मुझे दर्शक के रूप में अच्छी लगती हैं। तीन अलग-अलग फिल्में एक ही साल में करना रोमांचक है, लेकिन यह जिम्मेदारी भी है। यह मुझे हर बार नया बनने के लिए प्रेरित करता है।'

'मैं मनोरंजक फिल्में करना चाहता हूं'

आयुष्मान ने कहा, 'आज के दर्शक कुछ नया देखना चाहते हैं। वे एक ही चीज बार-बार नहीं देखना चाहते। मैं ऐसी फिल्में बनाना चाहता हूं, जो मनोरंजक हों और कुछ संदेश भी दें। अगर लोग इसे अलग तरह की फिल्में कह रहे हैं, तो मैं आभारी हूं। लेकिन मेरे लिए यह सिर्फ जिज्ञासु बने रहना और ईमानदार रहना है।

'जाने अनजाने हम मिले' में चुनौतीपूर्ण रहा नेगेटिव किरदार

टीवी शो 'जाने अनजाने हम मिले' में कीर्ति का किरदार निभा रही अभिनेत्री गौरी अग्रवाल ने अपने रोल में आए बड़े बदलाव को काफी चुनौतीपूर्ण बताया। शुरुआत में पॉजिटिव और प्यारी लड़की के रूप में दिखाई गई कीर्ति अब पूरी तरह नेगेटिव किरदार में बदल चुकी है। इस बदलाव ने गौरी को अभिनय के नए आयाम सिखाए हैं। गौरी अग्रवाल ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि किरदार में यह बड़ा ट्रांसफॉर्मेशन उनके लिए फिजिकली और इमोशनली दोनों तरह से बहुत डिमांडिंग रहा है। उन्होंने कहा, 'शुरुआत में कीर्ति बहुत पॉजिटिव थी, लेकिन धीरे-धीरे उसका किरदार ग्रे शेड्स में बदलता गया और अब वह पूरी तरह नेगेटिव हो चुकी है। मुझे लगातार खुद को याद दिलाना पड़ता है कि जो कुछ कीर्ति कर रही है, वह उसके किरदार की सोच के अनुसार है, भले ही व्यक्तिगत रूप से मुझे उन कामों को सही ठहराना बहुत मुश्किल लगे।'

गौरी ने कुछ मुश्किल सीन्स का जिक्र करते हुए बताया, 'कुछ सीन ऐसे थे जहां मेरी अपनी नैतिकता मुझे रोक रही थी। उन सीन्स को पूरी शिद्दत से करना मेरे लिए भावनात्मक रूप से बहुत कठिन था। एक अभिनेत्री के रूप में मुझे समझना था कि मैं सिर्फ अपने किरदार के सफर को आगे बढ़ा रही हूं। ऐसे सीन इमोशनली और फिजिकली दोनों तरह से काफी चुनौतीपूर्ण रहे, क्योंकि मुझे यह सुनिश्चित करना होता था कि सीन असली लगें, लेकिन किसी भी हद को पार न करें।' अभिनेत्री ने आगे कहा कि नेगेटिव किरदार बनने के बाद कीर्ति के इंटेंस फैसलों को समझना और इमोशनल स्तर पर उन्हें स्वीकार करना उनके लिए लगातार चलने वाली प्रक्रिया रही है। कीर्ति जिस हद तक जाती है, रीत और राघव को नुकसान पहुंचाना, गुस्सा दिखाना या खुद को चरम की स्थिति में ले जाना, यह सब बहुत खतरनाक है। इन चीजों को समझना और इमोशनली सही ठहराना मेरे लिए काफी मुश्किल रहा है। टीवी शो 'जाने अनजाने हम मिले' में गौरी अग्रवाल के साथ भारत अहलावत राघव का किरदार निभा रहे हैं, जबकि आयुषी खुराना रीत की भूमिका में हैं।

रीजनल एक्ट्रेस के टैग से दर्द होता है, हर लड़की को दबंग होना चाहिए

'जो मेहनत करता है, उसे फल मिलता है।' कहना है जानी-मानी एक्ट्रेस सई ताम्हणकर का। मराठी के साथ-साथ हिंदी फिल्म जगत में अपनी प्रतिभा की चमक बिखेरने वाली सई 'दुनियादारी', 'हंटर', 'मिमी', 'बेरोजगार', 'धुरला', 'दलदल' और 'डब्बा कार्टलट जैसे हिंदी-मराठी के प्रोजेक्ट्स से खुद को वर्सेटाइल एक्ट्रेस के रूप में साबित कर चुकी हैं। वह अपने सफर को बहुत ही ग्रेसफुल नजरों से देखती हैं और बहुत विनम्र महसूस करती हैं। इन दिनों वह चर्चा में हैं अपनी नई वेब सीरीज 'मटका किंग' से। उनसे एक बातचीत।

स्कूल में खेलती थी कबड्डी-कराटे

सई आज मराठी और हिंदी इंडस्ट्री में अपना अच्छा नाम बना चुकी हैं, लेकिन उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वह एक्ट्रेस बनेंगी। वह बताती हैं, 'मेरे पिता जहाज में काम करते थे और अक्सर समुद्री यात्राओं पर रहते थे। घर पर मैं और मम्मी ही होते थे, और उन्होंने मुझे हमेशा आत्मनिर्भर बनना सिखाया। मुझे मजबूत और दबंग बनाने में उनका बहुत बड़ा योगदान है। स्कूल में मैं 'कबड्डी गर्ल' के नाम से जानी जाती थी। मेरे घुटने हमेशा चोटिल रहते थे और मुझमें पारंपरिक 'लड़कियों वाली' बातें कम ही थीं। मैं टॉमबॉय थी। कॉलेज तक मेरा बॉयकट हेयरस्टाइल रहा। इसी दौरान मैंने कराटे सीखा और ऑरेंज बेल्ट हासिल की। मेरी मां और खेलों ने मेरे आत्मविश्वास को और मजबूत किया। मेरे बेबाक और बिंदास स्वभाव की वजह से लोग मेरे सामने कुछ गलत करने से हिचकते हैं। मेरा मानना है कि हर लड़की को आत्मनिर्भर और दबंग होना चाहिए।'

रीजनल एक्ट्रेस के टैग से दर्द होता है

आमतौर पर साउथ या मराठी फिल्म जगत से आई हुई एक्ट्रेसेस को रीजनल एक्ट्रेस का टैग दे दिया जाता है। इस पर वह अफसोस जताते हुए कहती हैं, 'कभी -कभार दर्द होता है कि ऐसा क्यों है? हम तो दोनी ही इंडस्ट्री में उतनी ही लगन और मेहनत काम करते हैं। हालांकि वो जमाना चला गया है, जब भाषा के आधार पर विभाजन किया जाता था। इस मुद्दे पर मैं दर्शकों से अनुरोध करना चाहूंगी कि वो हमें काम के आधार पर तौलें। जहां तक टैग देने की बात है, तो उन्हें तोड़ने में भी खूब मजा आता है। वो हमारे लिए ईंधन का काम करते हैं। मेरे जैसे और भी कई कलाकार हैं, जो इस बॉक्स को तोड़ने में लगे हुए हैं। हिंदी में 'मिमी' एक ऐसी फिल्म थी, जिसने मुझे इस टैग से बाहर आने में मदद की। मुझे अपना पहला फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला और भी कई दूसरे पुरस्कार मिले।'

'कई बार एक्ट्रेसेस को टाइपकास्ट भी कर दिया जाता है'

सई मानती हैं कि लेबल लगाने के साथ-साथ कई बार एक्ट्रेसेस को टाइपकास्ट भी कर दिया जाता है। वह कहती हैं कि ये सालों से अंडरकरंट देखा जाता है। वह कहती हैं, 'इससे निकलने का सबसे अच्छा तरीका यही है कि एक ही तरह के रोल्स के लिए ना की जाए, मगर ये बहुत मुश्किल होता है। हमारी इंडस्ट्री ही नहीं हमारा समाज भी पितृसत्ताक है, मगर इस बैकड्रॉप के बावजूद लड़कियां बहुत अच्छा काम कर रही हैं।' इससे निकलने का सबसे अच्छा तरीका यही है कि एक ही तरह के रोल्स के लिए ना की जाए, मगर ये बहुत मुश्किल होता है। हमारी इंडस्ट्री ही नहीं हमारा समाज भी पितृसत्ताक है, मगर इस बैकड्रॉप के बावजूद लड़कियां बहुत अच्छा काम कर रही हैं।

प्रियंका और सामंथा लाईं बदलाव

पुरुष प्रधान इंडस्ट्री में हीरोइन की तुलना में हीरो को ज्यादा अहमियत जी जाती है? इस सवाल पर वह कहती हैं, 'कुछ सालों में ये हालात बदले हैं। प्रियंका चोपड़ा और सामंथा रुथ प्रभु का इस बदलाव में बड़ा योगदान यही। इन्होने धीरे-धीरे वो ब्रैकेट्स तोड़ने शुरू किए। पहले की तुलना मैंने आज हालात बदले हैं, पहले तो बहुत ही बुरी स्थिति थी।' पे पैरिटी के मुद्दे पर सई ताम्हणकर कहती हैं, 'जब भी नेगेटिव चीजें होती हैं, उनके बारे में काफी हो-हल्ला होता है, पर सकारत्मक चीजों पर बात काम ही होती है।

वेब सीरीज के लिए छोड़ी प्राइज मनी

इंडस्ट्री में दो दशक से भी ज्यादा का समय बिता चुकी सई अपनी फीस को लेकर कहती हैं, 'मैं अगर अपनी बात करूं, तो कई बार मैं अपने मनमुताबिक अपनी फीस ले पाती हूं और कई बार नहीं ले पाती, मगर जितनी बार ले पाई, उसने मुझे बहुत हौसला दिया है। एक एक्टर को पता होता है कि कब अपनी फीस छोड़नी है और कब अड़े रहना है, क्योंकि एक्टिंग के पेशे के बावजूद कई बार हम सृजनात्मक संतुष्टि के लिए काम करते हैं, तो कई बार ऐसा मौका भी आया कि मैंने अपनी प्राइज मनी छोड़ दी हो।' 'मैंने यूट्यूब के लिए एक वेब सीरीज की थी और उसके लिए मैंने अपना मेहनताना छोड़ दिया था, मगर उसका जो रिस्पॉन्स आया था, उसका मोल कुछ हो ही नहीं सकता। उस वेब सीरीज का नाम था 'बेरोजगार'।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **सुनील कुमार** द्वारा वी-22 खजूर वाली गली नम्बर-2 अरविंद नगर, घोंडा दिल्ली-110053 से प्रकाशित एवं कारे प्रिंटिंग प्रेस 574ए विजय पार्क गली नम्बर-2 मौजपुर दिल्ली-110053 से मुद्रित। किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **सम्पादक : सुनील कुमार** RNI NO.- DELHIN/2007/22401